

भारतीय अर्थव्यवस्था के निधि प्रवाह खाते: 2008-09 और 2009-10*

इस लेख में दो राजकोषीय वर्षों यथा 2008-09 और 2009-10 के निधि प्रवाह खातों को प्रस्तुत किया गया है, साथ ही 2007-08 के संशोधित/नवीनतम आंकड़े भी दिए गए हैं। इस अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2008-09 के 9 प्रतिशत के स्तर से घटकर 6.7 प्रतिशत रह गयी, साथ ही वैश्विक वित्तीय संकट के परोक्ष प्रभाव के कारण वित्तीय बाजार में तनाव भी पैदा हो गया। राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतिगत समन्वित प्रयासों के चलते 2009-10 में वृद्धि दर शीघ्र ही 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। इन गतिविधियों को दर्शाते हुए सभी क्षेत्रों के औसत वित्तीय दावे, राष्ट्रीय आय के अनुपात के रूप में, 2003-04 से 2007-08 के लगभग औसतन 59 प्रतिशत से घटकर 2008-09 में 53 प्रतिशत रह गये, किंतु 2009-10 में स्थिति में सुधार के चलते ये लगभग 65 प्रतिशत हो गए। 2008-09 में जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में गिरावट मुख्यतः निजी कॉर्पोरेट बिजनेस क्षेत्र में देखी गई जिसके बाद शेष विश्व क्षेत्र एवं अन्य वित्तीय संस्था क्षेत्र का क्रम था। बैंकिंग क्षेत्र द्वारा जारी किए गए दावों में 2008-09 और 2009-10 के दौरान गिरावट आई जो प्रमुख रूप से बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत की राशि को विमुक्त किए जाने को दर्शाता है। बचत की तुलना में निवेश में अधिक गिरावट आने के कारण 2008-09 में निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र में संसाधनों के अंतर में और कमी आई। राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के चलते सार्वजनिक क्षेत्र की निवल बचत 2008-09 में ऋणात्मक स्तर में चली गई जिसकी स्थिति 2009-10 में और खराब हो गई। पारिवारिक (हाउसहोल्ड) क्षेत्र वित्तीय अधिशेष वाला क्षेत्र बना

* आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, मुम्बई के राष्ट्रीय लेखा विश्लेषण प्रभाग में तैयार किया गया। 1951-52 से 1995-96 की अवधि के भारतीय अर्थव्यवस्था के निधि प्रवाह खातों को 'भारतीय अर्थव्यवस्था का निधि प्रवाह खाता: 1951-52 से 1995-96' शीर्षक एक विशेष लेख के रूप में अगस्त 2000 में प्रकाशित किया गया था जो रिजर्व बैंक की वेबसाइट (<http://rbi.org.in>) में उपलब्ध है। 1990-91 से 1993-94 की अवधि के विस्तृत निधि प्रवाहों को रिजर्व बैंक बुलेटिन के जनवरी 1998 अंक में प्रकाशित किया गया था। 1994-95 से 2000-01 की अवधि के निधि प्रवाह खातों को रिजर्व बैंक बुलेटिन के सितम्बर 2007 अंक में प्रकाशित किया गया था। 2000-01 से 2007-08 की अवधि के निधि प्रवाह खातों को रिजर्व बैंक बुलेटिन के अक्टूबर 2009 अंक में प्रकाशित किया गया था।

रहा। पारिवारिक वित्तीय बचत (मूल्यहास को घटाकर) 2007-08 के 12.9 प्रतिशत से घटकर 2008-09 में 11.3 प्रतिशत रह गई थी लेकिन 2009-10 में पर्याप्त बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो गयी। सभी क्षेत्रों द्वारा जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में बैंक जमाराशियों और सरकारी प्रतिभूतियों के हिस्से में वृद्धि हुई जबकि गैर-सरकारी प्रतिभूतियों (म्यूचुअल फंड सहित) के हिस्से में वित्तीय बाजार की अनिश्चितताओं के चलते 2008-09 में गिरावट आई। 2009-10 में, कुल वित्तीय दावों में गैर-सरकारी प्रतिभूतियों के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई। वित्त अनुपात, वित्तीय अंतर-संबंध अनुपात एवं नए निर्गम अनुपात में 2008-09 में गिरावट आई किंतु 2009-10 में प्रवृत्ति से कुछ अधिक सुधार हुआ। इन अनुपातों में हुए बदलाव दर्शाते हैं कि 2008-09 में वित्तीय सघनता की गति में धीमापन आ गया था, परंतु 2009-10 में उसमें काफी सुधार हुआ।

I. परिचय

निधि प्रवाह खातों में अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के बीच 'किससे किस तक आधार' पर वित्तीय लिखतों में किए गए लेनदेनों का उल्लेख किया जाता है। निधि प्रवाह खातों के संकलन की वर्तमान प्रणाली में भारतीय अर्थव्यवस्था को छह प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, यथा बैंकिंग, अन्य वित्तीय संस्थाएं, निजी कॉर्पोरेट बिजनेस, सरकार, शेष विश्व एवं परिवार। क्षेत्रों के बीच के लेनदेनों को भी वित्तीय लिखतों की नौ प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, जैसे मुद्रा एवं जमाराशियां, निवेश, ऋण एवं अग्रिम, लघु बचत, जीवन फंड, भविष्य निधि, व्यापार ऋण, अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे और अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य दावे।

निधि प्रवाह से संबंधित कतिपय सैद्धांतिक एवं प्रणाली संबंधी मुद्दे, जो इस लेख के विश्लेषण के लिए प्रासंगिक हैं, बॉक्स 1 में दिया गये हैं।

इस लेख में 2008-09 और 2009-10 के निधि प्रवाह खातों के विवरण के साथ-साथ 2007-08 के संशोधित/नवीनतम आंकड़े भी दिए गए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के वास्तविक एवं वित्तीय

बॉक्स 1 निधि प्रवाह संबंधी कतिपय अवधारणात्मक एवं प्रणालीगत मुद्दे

अवधारणा की दृष्टि से, अर्थव्यवस्था के निधि प्रवाह खाते एवं राष्ट्रीय खाते आपस में जुड़े होते हैं। क्षेत्र के वास्तविक निवेश (पूंजी निर्माण) एवं बचत के बीच के अंतर, जैसा कि राष्ट्रीय खातों में दिया जाता है, और क्षेत्र की वित्तीय देयताओं एवं वित्तीय आस्तियों के हुए परिवर्तनों के अंतर, जैसा कि निधि प्रवाह खातों में दिया जाता है, में समानता होती है। दूसरे शब्दों में, यदि क्षेत्र का वास्तविक निवेश उसकी बचत से अधिक है तो इसका मतलब यह हुआ कि यह क्षेत्र कुल मिलाकर अपनी वास्तविक संसाधन की कमियों के वित्तपोषण के लिए अन्य क्षेत्रों से वित्तीय संसाधन उधार लेता है (अथवा अपनी निवल वित्तीय आस्तियों को बढ़ाता है)। दूसरी तरफ यदि वास्तविक निवेश क्षेत्र की बचत से कम है तो इसका मतलब यह हुआ कि यह क्षेत्र कुल मिलाकर अन्य क्षेत्रों (घाटेवाले) को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराता है (अथवा अपनी निवल वित्तीय आस्तियों को बढ़ाता है)। इस प्रकार निधि प्रवाह खाता वास्तविक निवेश की तुलना में कमी के वित्तपोषण या निवेश/ बचत के अधिशेष का क्षेत्रवार एवं लिखत-वार स्वरूप दर्शाता है।

निधि प्रवाह खातों में प्रत्येक क्षेत्र की वित्तीय निधियों के स्रोतों (अर्थात् वित्तीय देयताओं में परिवर्तन) एवं उपयोगों (अर्थात् वित्तीय आस्तियों में परिवर्तन) को अलग से दर्शाया जाता है। निधि प्रवाह खातों में शेष विश्व (आरओडब्ल्यू) क्षेत्र के संबंध में दिए गए वित्तीय लेनदेनों को उस क्षेत्र की दृष्टि से दर्शाया गया है जो अन्य क्षेत्रों के वित्तीय लेनदेनों से भिन्न है (घरेलू अर्थव्यवस्था का वित्तीय लेनदेन का नहीं, जैसा कि भुगतान संतुलन के मामले में है)। इसलिए भुगतान संतुलन की जमा एवं नामे को निधि प्रवाह खातों में उलटा लिया गया है। साथ ही वर्तमान प्रारूप के अनुसार निधि प्रवाह खातों में शेष विश्व क्षेत्र का निधि प्रवाह उस क्षेत्र के वित्तीय प्रवाह के अनुरूप होता है और (क) वित्तीय देयताओं में वृद्धि तथा (ख) वित्तीय आस्तियों की कमी/के परिसमापन को दर्शाता है। इसी प्रकार निधि प्रवाह खातों में शेष विश्व क्षेत्र द्वारा उपयोग की गई पूंजी उस क्षेत्र से बाहर गये वित्तीय प्रवाहों से मेल खाती है और (क) वित्तीय आस्तियों में वृद्धि तथा (ख) वित्तीय देयताओं में कटौती को दर्शाती है (उदाहरणार्थ, ऋण की चुकौती के जरिए) (कृपया विवरणी 5 देखें)। इस प्रकार निधि प्रवाह खातों में शेष विश्व क्षेत्र के वित्तीय दावों को, वित्तीय देयताओं में हुई गिरावट (निधि के उपयोग के अंतर्गत) को वित्तीय देयताओं में हुई वृद्धि (निधियों के स्रोत के अंतर्गत) से घटाकर प्राप्त किया जाता है। यह निधि प्रवाह खातों में अन्य क्षेत्रों के विपरीत है जिसमें उनका संबंधित वित्तीय दावा उनकी कुल निधियों के स्रोत से सीधे मेल खाता है।

सभी 'घरेलू' क्षेत्रों (अर्थात् शेष विश्व क्षेत्र को छोड़कर) के स्रोतों एवं निधियों के उपयोग के बीच का अंतर उनकी बचत और वास्तविक

निवेश के अंतर से मेल खाता है। इस प्रकार 'घरेलू' क्षेत्र की बचत और वास्तविक निवेश के अंतरों का जोड़ भुगतान संतुलन में चालू खाता घाटा/अधिशेष है, जो मानक समष्टि-आर्थिक पहचान है। निधि प्रवाह खातों में शेष विश्व क्षेत्र की निधियों के स्रोतों एवं उपयोगों के बीच का अंतर भुगतान संतुलन में चालू खाता शेष के अनुरूप होता है, किंतु इसमें विपरीत चिह्न लगता है क्योंकि जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, इसे शेष विश्व क्षेत्र की दृष्टि से दर्शाया जाता है।

भारत में राष्ट्रीय खातों एवं निधि प्रवाह खातों के संकलन से संबंधित तीन विशेष मुद्दे उल्लेखनीय हैं। पहला, बचत एवं निवेश के आंकड़ों को राष्ट्रीय खातों के हिस्से के रूप में संकलित करने के लिए केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारतीय अर्थव्यवस्था को निजी कॉरपोरेट, सार्वजनिक एवं पारिवारिक क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है और बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं को उनके स्वामित्व की प्रकृति के अनुसार निजी कॉरपोरेट क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र में सम्मिलित करता है। यह निधि प्रवाह खातों के तहत अपनाए गए अर्थव्यवस्था के वर्गीकरण के विपरीत है जिसके अंतर्गत बैंकिंग और अन्य वित्तीय संस्थाओं को भिन्न क्षेत्र (चाहे उनके स्वामित्व की प्रकृति कैसी भी हो) के रूप में दर्शाया जाता है और निजी क्षेत्र वास्तव में निजी कॉरपोरेट बिजनेस क्षेत्र है। इसके परिणामस्वरूप बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय संस्थागत क्षेत्रों की बचत एवं निवेश के आंकड़े राष्ट्रीय खातों में अलग से उपलब्ध नहीं हैं। फिर भी राष्ट्रीय खातों एवं निधि प्रवाह खातों के लिए शेष विश्व क्षेत्र एवं पारिवारिक क्षेत्र की परिभाषा/ कवरेज समान है। दूसरा, क्षेत्रवार वर्गीकरण के उपर्युक्त अंतर से थोड़ा हटकर, राष्ट्रीय खातों से प्राप्त किया गया बचत और निवेश का अंतर निधि प्रवाह खातों से प्राप्त वित्तीय अधिशेष/घाटे (अर्थात् वित्तीय आस्तियों में हुए परिवर्तन तथा वित्तीय देयताओं में हुए परिवर्तन के बीच का अंतर) से भिन्न हो सकता है जो *अन्य बातों के साथ-साथ* आंकड़ों के संकलन हेतु लिए गए विभिन्न स्रोतों के कारण है। तीसरा, राष्ट्रीय खाता मूल्यवान वस्तुओं (सोना, चांदी आदि) में किए गए निवेश को, जो हाल के वर्षों में काफी बढ़ा है, निवेश (पूंजी निर्माण) के अंतर्गत एक भिन्न श्रेणी के रूप में दर्शाता है और निजी कॉरपोरेट, सार्वजनिक एवं पारिवारिक क्षेत्रों में उसका आबंटन उपलब्ध नहीं कराता। इसके परिणामस्वरूप समूची अर्थव्यवस्था की बचत और निवेश के अंतर को प्राप्त करने के लिए मूल्यवान वस्तुओं में किए गए निवेश को निजी कॉरपोरेट, सार्वजनिक एवं पारिवारिक क्षेत्रों की बचत और निवेश के योग के साथ जोड़ा जाता है जो, त्रुटियों एवं भूलों के समायोजन के पश्चात्, सारणी 1 में दिए गए अनुसार भुगतान संतुलनों (शेष विश्व क्षेत्र) के चालू खाता शेष को दर्शाता है।

(जारी...)

(समाप्त...)

यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि बचत एवं निवेश के प्राक्कलन के संबंध में उच्चस्तरीय समिति (अध्यक्ष: डॉ. सी. रंगराजन) की कतिपय संस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए समीक्षाधीन वर्षों के संबंध में निधि प्रवाह खातों के संकलन की कार्य-प्रणाली में कतिपय परिवर्तन किए गए हैं। इसलिए इन वर्षों के निधि प्रवाह खातों को इससे पहले प्रकाशित खातों से पूरी तरह तुलना नहीं की जा सकती। संकलन की कार्य-पद्धति में हुए परिवर्तन एवं संकलन की कतिपय धारणाएं मुख्य रूप से बीमा क्षेत्र एवं सहकारी क्षेत्र से संबंधित हैं। बीमा क्षेत्र के मामले में जवाब देने वाली बीमा कंपनियों से अब तक प्राप्त सूचनाओं को समूचे क्षेत्र के निधि प्रवाहों को प्राप्त करने के लिए सैम्पल प्रदत्त पूंजी की तुलना में वैश्विक/समूची प्रदत्त पूंजी अनुपात के जरिए बढ़ाया गया। वर्तमान प्राक्कलनों में बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण से प्राप्त सभी बीमा कंपनियों

की तुलना-पत्र सूचनाओं को लिया गया है। दूसरा, कतिपय सहकारी बैंकों से संबंधित निधि प्रवाह आंकड़े नाबार्ड से लिए गए हैं और इन आंकड़ों का उपयोग नाबार्ड द्वारा प्रकाशित भारत के सहकारी आंदोलन से संबंधित सांख्यिकीय विवरणी पर आधारित प्राक्कलनों के पूरक के लिए किया गया है। पहले, सहकारी बैंकों से संबंधित निधि प्रवाहों को नाबार्ड द्वारा जारी की गई सांख्यिकीय विवरणी के आधार पर पूर्ण रूप से प्राक्कलित/बहिर्वेशित किया जाता था, जो अब पुराने हो गए हैं।

अंत में रिजर्व बैंक द्वारा गठित निधि प्रवाह संबंधी कार्यदल (अध्यक्ष: श्री डी.के. मोहंती, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक) वित्तीय क्षेत्र की उभरती गतिविधियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अनुभव को दृष्टि में रखते हुए संकलन के मुद्दों से संबंधित सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। कार्यदल शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा।

क्षेत्रों में इस अवधि में तेज और विरोधाभासी परिवर्तन आए। इन परिवर्तनों के पीछे वैश्विक वित्तीय संकट का परोक्ष प्रभाव था जिसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पिछले प्रत्येक तीन वर्षों के 9 प्रतिशत की तुलना में 2008-09 में घटकर 6.7 प्रतिशत रह गयी, यहां तक कि घरेलू वित्तीय बाजार तनाव में आ गया था। संकट से निपटने के लिए राजकोषीय, मौद्रिक एवं ऋण प्रबंधन संबंधी समन्वित नीतिगत उपाय सितम्बर 2008 के मध्य में शुरू किए गए। 2009-10 में वृद्धि दर के तेजी से बढ़कर 8.4 प्रतिशत हो जाने और वित्तीय बाजार के व्यवस्थित रहने को ध्यान में रखते हुए मुद्रास्फीतिकारी दबाव के प्रारंभिक लक्षणों के चलते अक्टूबर 2009 में मौद्रिक नीति के समर्थनकारी रुझान से नपेतुले ढंग से निकलने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। स्पष्टतः ये गतिविधियां संसाधनों के अंतर एवं भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों- यथा बैंकिंग, अन्य वित्तीय संस्थाओं (बैंक से इतर वित्तीय कंपनियां और म्यूचुअल फंड), निजी कॉर्पोरेट बिजनेस, सरकारी, पारिवारिक और शेष विश्व के बीच निधि प्रवाह की स्थिति में परिलक्षित होती हैं जिसकी पुष्टि आगे के विश्लेषण से हो जाएगी।

इस लेख को निम्नानुसार व्यवस्थित किया गया है: खंड II की शुरुआत उन चैनल के सारांश से की गई है कि किस प्रकार वैश्विक वित्तीय संकट एवं नीतिगत उपायों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। विस्तारपूर्वक क्षेत्रवार विश्लेषण करने से पहले

बचत और निवेश (या संसाधन) के अंतर के साथ-साथ इन अंतरों को वित्तपोषित करने के लिए पिछले तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों द्वारा जारी किए गए निवल वित्तीय दावों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। खंड III में लिखत-वार वित्तीय प्रवाह की चर्चा की गई है। निधि प्रवाह से प्राप्त वित्तीय गतिविधियों के चुनिंदा संकेतकों का विश्लेषण खंड IV में किया गया है। खंड V में लेख का निष्कर्ष दिया गया है। विवरण 1 से 6 में प्रत्येक क्षेत्र के लिखत-वार निधि प्रवाह खातों को प्रस्तुत किया गया है। वार्षिक अंतर-क्षेत्रीय प्रवाहों का सारांश विवरण 7 में दिया गया है। विवरण 8 में प्रत्येक वर्ष के लिखत-वार वित्तीय प्रवाहों का सार दिया गया है।

II. निधि प्रवाह के क्षेत्रवार रुझान

निधि प्रवाह के विश्लेषण की भूमिका के रूप में 2008-09 और 2009-10 में वैश्विक वित्तीय संकट एवं नीतिगत कार्रवाई के प्रभाव की अंतर्निहित क्रियाविधि को संक्षेप में नीचे प्रस्तुत किया गया है। वैश्विक वित्तीय संकट ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के वित्तीय निर्णयों पर मौद्रिक नीति के प्रभाव को आंकने के लिए निधि प्रवाह ढांचे के उपयोग के महत्त्व को उजागर किया है। फिर भी इस प्रकार के अधिकांश अध्ययन उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में किए गए हैं जहां निधि प्रवाह आंकड़ों का संकलन तिमाही अंतरालों पर किया जाता है (बॉक्स 2)।

बॉक्स 2 निधि प्रवाह के ढांचे में मौद्रिक नीति के संचरण का विश्लेषण

निधि प्रवाह ढांचा मौद्रिक नीति संचरण प्रणाली का अध्ययन करने के लिए एक उपयोगी विश्लेषणात्मक आधार प्रदान करता है। इस परिप्रेक्ष्य में आनुभविक अध्ययन द्वारा सामान्यतः अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा वीएआर मॉडल में निधि प्रवाह के त्रैमासिक आंकड़ों का उपयोग कर जुटाई/उधार दी गई निवल निधि पर मौद्रिक नीति के प्रभाव का आकलन किया गया है। इस संबंध में यहां कतिपय अध्ययनों का सार प्रस्तुत किया गया है।

अमरीकी अर्थव्यवस्था के संबंध में क्रिस्टीएनो और अन्य (1996) द्वारा प्रस्तुत मौलिक पेपर में पाया गया कि संकुचनकारी मौद्रिक नीति के असर के चलते निजी कॉरपोरेट क्षेत्र द्वारा जुटायी गई निवल राशि में लगभग एक वर्ष तक वृद्धि हुई। तत्पश्चात् मौद्रिक नीतिगत रुझान के सख्त होने पर वृद्धि दर में आई कमी के चलते निजी कॉरपोरेट क्षेत्र द्वारा जुटाई गई निवल राशि में गिरावट आई। जुटाई गई निवल राशि में प्रारंभिक वृद्धि के कारणों में फर्मों द्वारा सांकेतिक व्यय के समायोजन के संबंध में आनेवाली अड़चनें/ बाधाएं (संविदा के कारण) थीं जबकि घटती बिक्री एवं बढ़ती इन्वेंटरी के कारण नकदी प्रवाह में गिरावट आई। दूसरी तरफ पारिवारिक क्षेत्र द्वारा जुटाई गई निवल राशि में संकुचनकारी मौद्रिक नीति के असर के (तुरंत) बाद कोई बदलाव नहीं पाया गया; यह स्थिति 'सीमित सहभागिता मॉडल' की बारीकियों को दर्शाती है जिसमें आम तौर पर इस बात को मान लिया जाता है कि वित्तीय पोर्टफोलियो को समायोजित करने की परिवार की क्षमता सीमित होती है अर्थात् यह मान लिया जाता है कि परिवार वर्तमान (मौद्रिक नीति) के असर को महसूस करने से पहले ही अपने वित्त संबंधी निर्णय ले लेते हैं। संकुचनकारी मौद्रिक नीतिगत झटकों के बाद सरकारी उधारी में गिरावट आई, हालांकि गिरावट की मात्रा कम थी। इस अप्रत्याशित परिणाम का कारण व्यक्तिगत आयकर में, अंतरणों को घटाकर, हुई वृद्धि थी (फिर भी व्यक्तिगत आयकर प्राप्तियों में हुई वृद्धि का कारण बहुत स्पष्ट नहीं था)।

परंतु, इटली पर बोंकी एवं कोलुंबा (2008) द्वारा किए गए अध्ययन के परिणाम क्रिस्टीएनो और अन्य (1996) के अध्ययन से भिन्न पाए गए: संकुचनकारी मौद्रिक नीति के झटकों के बाद उन्होंने पाया कि (i) निजी फर्मों के संबंध में सांकेतिक व्यय संबंधी सख्ती के कोई प्रमाण नहीं है; (ii) परिवार अपने वित्तीय पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत जल्दी समायोजित कर लेते हैं; और (iii) स्वचालित स्थिरीकरण एवं मौद्रिक नीति के रुझान के कारण वृद्धि में आई गिरावट के चलते कर प्राप्तियों में कमी आने से सार्वजनिक क्षेत्र की उधारी काफी बढ़ गई।

यूरो क्षेत्र के संबंध में बोंकी के अध्ययन (2011) से प्राप्त परिणाम इटली के अध्ययन से प्राप्त परिणाम के समान थे लेकिन अमरीका के अध्ययन से प्राप्त परिणाम से भिन्न थे। मौद्रिक नीति के असर का फर्मों द्वारा जुटाई गई निवल राशि पर नगण्य प्रभाव पाया गया क्योंकि इसने उनके

द्वारा वित्तीय आस्तियों के अधिग्रहण को कम कर दिया एवं/या उनकी खुद की चलनिधि एवं अंतर-कंपनी ऋणों का प्रयोग किया क्योंकि बैंक ऋण महंगे पड़ रहे थे। अध्ययन के अनुसार यूरो क्षेत्र में, अमरीका की स्थिति के विपरीत, फर्मों के सांकेतिक व्यय में पर्याप्त कठिनाई न होने का कारण फर्मों का आकार था: अमरीका में फर्मों के औसतन बड़े आकार के कारण वे बिगड़ती कारोबारी स्थितियों में भी बड़ी आसानी से ऋण जुटाने में सक्षम हुए। यह पाया गया कि मौद्रिक नीति के झटकों के तुरंत बाद परिवार नयी वित्तीय देयताएं जारी करने की गति को कम कर देते हैं ताकि वे अन्य क्षेत्रों को दिए जाने वाले निवल उधार को बढ़ा सकें। नीतिगत असर के दो वर्ष बाद यह पाया गया कि निजी खपत के बढ़ने के कारण परिवारों की निवल उधारी में बढ़ोतरी हुई। मौद्रिक नीति के असर के बाद बैंकों द्वारा परिवारों एवं फर्मों को दिए जाने वाले ऋणों (निवल ऋण) में गिरावट पाई गई। मौद्रिक नीति के असर के बाद बैंक से इतर क्षेत्रों द्वारा दिए जाने वाले (खासकर परिवार को) ऋणों में वृद्धि देखी गई जिसका कारण पहले से निर्धारित ऋण सीमाओं (नीतिगत असर से पहले की निम्नतर दर पर) की उपलब्धता थी, कम-से-कम अल्पावधि के लिए।

पुर्तगाल के संबंध में गेमेरिओ और सौसा के अध्ययन (2010) में पाया गया कि संकुचनकारी मौद्रिक नीति के असर के कारण गैर-वित्तीय निगमों के साथ-साथ परिवारों द्वारा जुटाई गई निवल राशि में वृद्धि हुई। गैर-वित्तीय क्षेत्र संबंधी निष्कर्ष जो अमरीका के निष्कर्ष से मेल खाता था और इटली एवं यूरो क्षेत्र के निष्कर्ष से भिन्न था, उन अड़चनों की ओर इशारा करता है जो वर्तमान संविदाओं के कारण था और इसके चलते फर्में अपनी इन्वेंटरियों के स्तर को तत्काल समायोजित नहीं कर सकीं। पारिवारिक क्षेत्र द्वारा जुटाई गई निवल राशि में हुई वृद्धि प्रमुख रूप से खपत के कम होने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

भारत के परिप्रेक्ष्य में निधि प्रवाह आंकड़ों का संकलन केवल वार्षिक आधार पर किया जाता है। निधि प्रवाह आंकड़ों का मैक्रो मॉडल में उपयोग करके किया गया पिछला अध्ययन के.सेन और अन्य (1996) द्वारा किया गया था किंतु यह सुधार से पहले अर्थात् 1970 से 1989 की अवधि से संबंधित है। उन्होंने अन्य बातों के साथ पाया कि ब्याज दरों में हुए परिवर्तन की अनुक्रिया में परिवार एवं वाणिज्यिक बैंकों ने पोर्टफोलियो में थोड़ा समायोजन किया था किंतु परिवार की आस्तियों से प्राप्त आय की दर में हुई वृद्धि तथा सरकार द्वारा परिवार की बचत के उपयोग में आई कमी का निवेश एवं लाभ पर अल्पकाल में स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव पड़ा। मूर और ग्रीन (2008) ने 1951 से 1994 तक (यह भी मुख्यतः सुधार से पूर्व की अवधि से संबंधित है) भारतीय बैंकों की निधि प्रवाह एवं पोर्टफोलियो प्रवृत्ति का विश्लेषण लगभग आदर्श मांग प्रणाली ढांचे (एआईडीएस) में किया। उन्होंने पाया कि सीआरआर के बढ़ने से

(जारी...)

(समाप्त...)

ऋणों को छोड़कर सभी आस्तियों के संबंध में बैंकों की मांग में वृद्धि होती है क्योंकि बैंक सीआरआर के और बढ़ने की आशंका करते हैं। साथ ही उदारीकरण का मुख्य प्रभाव अतिरिक्त रिजर्व एवं कंपनियों की प्रतिभूतियों (जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं के कर्ज शामिल हैं) की कीमत पर बैंकों द्वारा सरकारी कर्ज और ऋणों की धारिता में वृद्धि के रूप में पड़ा।

संदर्भ:

1. बोकी आर (2011), 'यूरो क्षेत्र में मौद्रिक नीति एवं निधि प्रवाह', यूरोपेना सेंट्रल बैंकिंग पेपर सं. 1402, दिसम्बर।
2. बोकी आर और एफ. कोलंबा (2008), 'मौद्रिक नीति प्रभाव: इटली के निधि प्रवाहों से प्राप्त नए प्रमाण', अप्लाइड इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम 40।

निधि प्रवाहों पर वैश्विक वित्तीय संकट एवं नीतिगत उपायों का प्रभाव - संक्षिप्त परिचय

वैश्विक वित्तीय संकट का संक्रामक प्रभाव भारत में वित्तीय, वास्तविक एवं विश्वास चैनलों के जरिए फैला। भारत के व्यापार क्षेत्र पर वैश्विक मांग में गिरावट का प्रतिकूल प्रभाव वास्तविक चैनल में दिखाई पड़ता है। भले ही भारतीय बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं का विफल हो रही अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं या संकटग्रस्त आस्तियों में प्रत्यक्ष एक्सपोजर न हो, लेकिन वित्त चैनल ने दो तरीकों से काम किया नामतः, (i) वैश्विक चलनिधि में कमी आने के परिणामस्वरूप भारतीय गैर-वित्तीय कॉरपोरेटों ने निधि संबंधी अपनी मांग के लिए घरेलू बैंकिंग क्षेत्र की ओर रुख किया। कॉरपोरेट भी घरेलू मुद्रा बाजार म्यूचुअल फंड में किए गए अपने निवेशों का आहरण करने लगे जिससे गैर-बैंक वित्तीय कंपनियों में उनके द्वारा किए गए (भारी) निवेश पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगा जिसके कारण गैर-बैंक वित्तीय कंपनियां चुकौती के दबाव में आ गईं; एवं (ii) पूंजी प्रवाह की दिशा में बदलाव होने से रुपये पर अधोगामी दबाव पड़ने लगा - और यह अंशतः विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा इक्विटी मार्केट में भारी मात्रा में बेचने एवं कॉरपोरेटों द्वारा अपनी बाह्य देयताओं को पूरा करने के लिए घरेलू निधि का विदेशी मुद्रा में परिवर्तन किए जाने से स्पष्ट होता है। रुपये की अस्वाभाविक अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा बाजार परिचालनों के जरिए घरेलू चलनिधि को सोख लिया।

3. किस्टीयानो एल.जे; एम. ईचेनबम और सी. एवान्स (1996), 'मौद्रिक नीति के झटकों का असर: निधि प्रवाहों से प्राप्त प्रमाण', अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी समीक्षा, वॉल्यूम 78(1), फरवरी।
4. गेमैरो आई.एम. और जे. सौसा (2010), 'गैर-वित्तीय निगमों एवं परिवारों के निधि प्रवाहों पर मौद्रिक नीति का प्रभाव', बैंको दि पोर्ट्यूगल ईकोनॉमिक बुलेटिन, समर।
5. मूर टी और सी.जे. ग्रीन (2008), 'निधि प्रवाह और बैंक की पोर्टफोलियो गतिविधि पर वित्तीय नियंत्रण का प्रभाव: भारत का एक अध्ययन', दि यूरोपीयन जर्नल ऑफ फाइनेंस, वॉल्यूम 14(7), अक्टूबर।
6. सेन के.टी.रॉय, आर. कृष्णन और ए. मुंदले (1996), 'भारत के लिए निधि प्रवाह मॉडल और इसका आशय', जर्नल ऑफ पालिसी माडलिंग, वॉल्यूम 18(5)।

तीसरा चैनल, जो कि विश्वास चैनल है, वित्तीय बाजार और बैंकिंग प्रणाली में जोखिम से बचने की सामान्य एवं तीव्र इच्छा से परिचालित रहा जिसने उधार देने की गतिविधियों को प्रभावित किया।

वित्तीय संकट के अनुक्रियास्वरूप मौद्रिक नीतिगत रुझान में 2008-09 के उत्तरार्ध में परिवर्तन करके उदार बनाया गया जो आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) तथा चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) की ब्याज दरों में की गई भारी कटौती से स्पष्ट होता है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को सहायता प्रदान करने और लघु उद्योग, आवास तथा निर्यात के लिए प्रदान किए गए वित्त के पुनर्वित्तीयन हेतु शीर्ष वित्तीय संस्थाओं की राशि को बढ़ाने के लिए एक विशेष पुनर्वित्त खिड़की की शुरुआत की गई और साथ ही एक विशेष उद्देश्य वाहन जैसे अपारंपरिक उपाय भी लागू किए गए। अर्थव्यवस्था की बहाली के लिए वित्तीय प्रोत्साहन कार्यक्रम की योजना भी बनाई गई जिसके परिणामस्वरूप सरकार की कुल उधार राशि में भारी वृद्धि हुई। सरकार के उधार कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए नीलामी आधारित खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) कार्यक्रम फरवरी 2009 में शुरू किया गया। रिजर्व बैंक के पास बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस) खाते में पृथक पड़े सरकारी शेष राशि का सरकारी प्रतिभूतियों के मोचन एवं वापस खरीद के लिए उपयोग किये जाने के साथ-साथ रिजर्व बैंक के पास स्थित सामान्य सरकारी नकदी खाते में निधि का अंतरण किया गया जिसने वित्तीय बाजार में घरेलू चलनिधि की स्थिति को

मजबूत करने एवं सामान्य स्थिति बनाए रखने में मदद की। जैसे ही वृद्धि दर में सुधार होने लगा एवं मुद्रास्फीति स्थिर होने लगी, समर्थनकारी नीतिगत रुझान से अलग होने की प्रक्रिया अक्टूबर 2009 में शुरू हुई जिसके अंतर्गत अधिकांश अपारंपरिक मौद्रिक नीतिगत उपयों को समाप्त कर दिया गया एवं बाद में सीआरआर और चलनिधि समायोजन सुविधा की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गई। फिर भी राजकोषीय नीति 2009-10 में आम तौर पर समर्थनकारी रही जिसकी पुष्टि केंद्र सरकार के राजकोषीय एवं प्राथमिक घाटों में गत वर्ष की तुलना में हुई और वृद्धि से होती है।

विभिन्न क्षेत्रों की बचत और निवेश में अंतर का उद्भव

स्पष्टतः समष्टि-आर्थिक एवं वित्तीय गतिविधियों ने न केवल अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की बचत एवं निवेश (पूँजी निर्माण) और संसाधन की कमियों/ अधिशेष (राष्ट्रीय लेखों से यथा प्राप्त)

को बल्कि इन संसाधन की कमियों के वित्तपोषण की पद्धति व वित्तीय आस्तियों में अधिशेषों के अभिनियोजन (जैसे कि निधि प्रवाह खाते में दिखाई पड़ता है) को भी प्रभावित किया।

निवल बचत की तुलना में निवल निवेश में भारी गिरावट आने के कारण निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की बचत और निवेश का अंतर, राष्ट्रीय आय के अनुपात के रूप में, 2008-09 में आधा हो गया जो वैश्विक वित्तीय संकट के प्रभाव को दर्शाता है (सारणी 1)। इसके विपरीत, सार्वजनिक क्षेत्र की बचत और निवेश का अंतर 2008-09 में बढ़कर दुगुने से भी अधिक हो गया जो प्रमुख रूप से राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के प्रभाव को दर्शाता है और इसके चलते 2007-08 की निवल बचत अगले वर्ष ऋणात्मक हो गई। वित्तीय बचत पर समष्टि-आर्थिक स्थितियों के विपरीत प्रभाव के परिणामस्वरूप पारिवारिक क्षेत्र की बचत का अधिशेष 2008-09

सारणी 1: विभिन्न क्षेत्रों की निवल बचत एवं निवल निवेश (बाजार कीमतों पर एनएनपी के प्रतिशत के रूप में)

	2003-04 से 2007-08 (औसत)	2007-08	2008-09	2009-10
1. निजी कॉरपोरेट क्षेत्र				
(i) निवल बचत	4.4	6.5	4.2	5.1
(ii) निवल निवेश	10.3	15.3	8.6	10.1
(iii) संसाधन अंतर (i-ii)	-5.9	-8.8	-4.4	-5.0
2. सार्वजनिक क्षेत्र				
(i) निवल बचत	-0.3	2.3	-2.2	-3.1
(ii) निवल निवेश	5.1	6.6	7.3	7.0
(iii) संसाधन अंतर (i-ii)	-5.5	-4.3	-9.5	-10.1
3. पारिवारिक क्षेत्र				
(i) निवल बचत	22.0	21.3	22.5	24.5
(ii) निवल निवेश	9.6	8.4	11.2	10.0
(iii) अधिशेष (i-ii)	12.4	12.9	11.3	14.5
4. कुल (1+2+3)				
(i) निवल बचत	26.1	30.2	24.6	26.5
(ii) निवल निवेश	25.0	30.3	27.1	27.0
(iii) संसाधन अंतर (i-ii)	1.1	-0.2	-2.5	-0.6
5. मूल्यवान वस्तुएं	1.2	1.2	1.4	2.0
6. भूल-चूक	0.3	0.1	-1.4	0.5
7. समायोजित संसाधन अंतर [4(iii)-5-6]	-0.4	-1.4	-2.6	-3.1
जापन मदे:				
(i) निजी कॉरपोरेट क्षेत्र संबंधी पूँजी अंतरण	-0.17	-0.52	-0.07	-0.10
(ii) सार्वजनिक क्षेत्र संबंधी पूँजी अंतरण	0.21	0.54	0.10	0.12
(iii) कुल पूँजी अंतरण (i+ii)	0.04	0.02	0.02	0.02

टिप्पणी: (i) बचत एवं निवेश को निवल आधार पर दर्शाया गया है अर्थात् पूँजी के उपभोग को समायोजित करके (मूल्यहास)।

(ii) संसाधन अंतरों को पूँजी अंतरणों हेतु समायोजित किया जा सकता है (आम तौर पर एकतरफा एवं गैर-आवर्ती अंतरण जो प्राप्तकर्ता के सकल पूँजी निर्माण के वित्तपोषण हेतु बनाया गया और दाता की संपत्ति या बचत से बनाया गया हो) हालांकि इनकी मात्रा कम होती है।

स्रोत: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय।

में कम हो गया, हालांकि भौतिक आस्तियों की बचत में तेज वृद्धि हुई थी। पारिवारिक क्षेत्र के अधिशेष में आई गिरावट तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संसाधनों के अंतर में हुई भारी वृद्धि निजी कॉरपोरेट क्षेत्र के संसाधनों में आई कमी से अधिक थी। मूल्यवान वस्तुओं में निवेश एवं भूल-चूक के समायोजन को हिसाब में लेने के बाद अर्थव्यवस्था का बचत और निवेश का अंतर, दूसरे शब्दों में कहें तो चालू खाता घाटा, 2008-09 में बढ़ गया।

2009-10 में बचत की तुलना में निवेश में हुई तेज वृद्धि और नीतिगत उपायों के चलते समष्टि आर्थिक स्थितियों में हुए सुधार के कारण निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की बचत और निवेश का अंतर बढ़ गया। सार्वजनिक क्षेत्र के संसाधन का अंतर काफी बढ़ गया जो राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के जारी रहने को दर्शाता है। पारिवारिक क्षेत्र के अधिशेष में काफी वृद्धि हुई जो प्रमुख रूप से जीवन बीमा के अंतर्गत किए गए अतिरिक्त बचत को दर्शाता है। पारिवारिक क्षेत्र के अधिशेष में हुई वृद्धि निजी कॉरपोरेट एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संसाधन की कमी में हुई बढ़ोतरी की काफी हद तक भरपाई कर देती है। फिर भी मूल्यवान वस्तुओं में निवेश में हुई वृद्धि तथा त्रुटियों एवं भूल के लिए समायोजन को ध्यान में रखते हुए अर्थव्यवस्था की समग्र संसाधन संबंधी कमियां अथवा चालू खाता घाटा 2009-10 में और बढ़ गया।

विभिन्न क्षेत्रों में निधि प्रवाह की समीक्षा

सभी क्षेत्रों द्वारा जुटाई गई कुल निधि (अर्थात् उनके कुल वित्तीय दावों) में 2008-09 में लगभग 29 प्रतिशत की भारी गिरावट आई जो वैश्विक वित्तीय संकट के परिणामस्वरूप आई सामान्य मंदी, घरेलू चलनिधि पर पड़े दबाव, पूंजी बहिर्वाहों तथा सामान्य जोखिम विमुखता को दर्शाता है (सारणी 2)। वर्तमान कीमतों पर निवल राष्ट्रीय आय के अनुपात के रूप में सभी क्षेत्रों द्वारा जारी किया गया कुल वित्तीय दावा 2007-08 के 86.2 प्रतिशत से काफी घटकर 2008-09 में 53.0 प्रतिशत रह गया। नीतिगत समन्वित कार्रवाईयों के चलते वृद्धि की बहाली एवं वित्तीय स्थितियों के सामान्य होने के परिणामस्वरूप सभी क्षेत्रों द्वारा जुटाई गई समग्र निधि 2009-10 में बढ़कर निवल राष्ट्रीय आय के लगभग 65.0 प्रतिशत हो गई एवं 2003-04 से 2007-08 की पांच वर्ष की अवधि में औसत से भी अधिक अर्थात् लगभग 59.0 प्रतिशत हो गई।

2008-09 में जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में आई गिरावट मुख्यतः निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में दिखाई पड़ी और तत्पश्चात् शेष

सारणी 2: क्षेत्रों के वित्त प्रवाह

क्षेत्र	(₹ बिलियन)			
	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. सभी गैर वित्तीय संस्थाएं (2 से 5)	11594 (59.7)	21302 (60.6)	13761 (55.2)	21957 (63.1)
2. निजी कॉरपोरेट बिजनेस	4646 (20.4)	10847 (30.9)	4996 (20.0)	11306 (32.5)
3. सरकार	3315 (19.9)	4835 (13.8)	6856 (27.5)	6672 (19.2)
4. शेष विश्व	1944 (10.1)	3738 (10.6)	272 (1.1)	1945 (5.6)
5. परिवार	1690 (9.2)	1882 (5.4)	1636 (6.6)	2034 (5.8)
6. सभी वित्तीय संस्थाएं (7 + 8)	7715 (40.3)	13839 (39.4)	11186 (44.8)	12840 (36.9)
7. बैंकिंग	5310 (28.3)	8897 (25.3)	8552 (34.3)	6487 (18.6)
8. अन्य वित्तीय संस्थाएं	2404 (12.1)	4942 (14.1)	2635 (10.6)	6353 (18.3)
9. जारी किए गए कुल दावे (1+6)	19309 (100.0)	35141 (100.0)	24947 (100.0)	34797 (100.0)
एनएनपी की तुलना में प्रतिशत (वर्तमान कीमतों पर कारक लागत पर)	59.1	86.2	53.0	64.5

\$: संख्याएं 2003-04 से 2007-08 के वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े जारी किए गए कुल दावों की तुलना में प्रतिशत हैं।

विश्व क्षेत्र एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं के क्षेत्र में दिखाई पड़ी। शेष विश्व क्षेत्र के वित्तीय दावों में आई गिरावट प्रमुख रूप से 2008-09 के दौरान रिजर्व बैंक के विदेशी बाजार परिचालन के हिस्से के रूप में उसकी विदेशी मुद्रा आस्तियों के हास को दर्शाता है। बैंकिंग एवं पारिवारिक क्षेत्रों के दावों में भी 2008-09 में गिरावट आई किंतु सरकारी क्षेत्र के दावों में वृद्धि हुई जो कुल उधारी में हुई वृद्धि को दर्शाता है जो राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के कारण थी। फिर भी, अर्थव्यवस्था के कुल दावों में बैंकिंग क्षेत्र का हिस्सा 2008-09 में बढ़कर लगभग 34 प्रतिशत हो गया जो 2003-04 से 2007-08 के दौरान के लगभग 28 प्रतिशत के औसत से अधिक है।

2009-10 में निजी कॉरपोरेट क्षेत्र, अन्य वित्तीय संस्थागत क्षेत्र एवं शेष विश्व क्षेत्र द्वारा जारी किए गए दावों में काफी वृद्धि हुई लेकिन सरकारी क्षेत्र द्वारा जारी किए गए दावों में राजकोषीय प्रोत्साहन कार्यक्रम के जारी रहने के बावजूद थोड़ी गिरावट आई। दूसरी तरफ बैंकिंग क्षेत्र द्वारा जारी किए गए दावों में और गिरावट आई। पांच वर्षों (2003-04 से 2007-08) के औसत की तुलना

के अनुसार, 2009-10 में जारी किए गए कुल दावों की संरचना से पता चलता है कि निजी कॉरपोरेट बिजनेस एवं अन्य संस्थाओं द्वारा किए गए दावों के हिस्सों में काफी वृद्धि हुई लेकिन शेष क्षेत्र का हिस्सा बहुत कम बना रहा। इसके अतिरिक्त सरकारी क्षेत्र द्वारा 2009-10 में जारी किए गए दावों का हिस्सा पांच वर्ष के औसत से थोड़ा कम रहा जबकि बैंकिंग क्षेत्र का हिस्सा औसत से बहुत नीचे चला गया। इस पृष्ठभूमि में निधि प्रवाह में क्षेत्र-वार हुए परिवर्तन की चर्चा आगे की गई है।

निजी कॉरपोरेट बिजनेस क्षेत्र

निजी कॉरपोरेट बिजनेस (पीसीबी) क्षेत्र की निवल बचत में, जिसने 2004-05 से तेजी से एवं लगातार वृद्धि की, 2008-09 में गिरावट आई क्योंकि वृद्धि दर में आई कमी और गिरते वित्तीय बाजार की स्थितियों ने बिक्री एवं लाभप्रदता को प्रभावित किया (सारणी 1)। इसी प्रकार पीसीबी क्षेत्र के निवेश में भी निवल बचत की तुलना में 2008-09 में तेजी से गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप संसाधनों के कुल अंतर में 2008-09 में गिरावट आई और यह मोटे तौर पर विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त निधि के स्रोतों में दिखाई पड़ता है (सारणी 3)। 2008-09 के दौरान वित्तीय बाजार की अनिश्चितताओं

और निवेश के खराब माहौल के परिप्रेक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र द्वारा प्रदान की जाने वाली निधि में कटौती, खाद्येतर बैंक ऋण में की गई कमी एवं बैंक के पास पीसीबी क्षेत्र की सावधि जमाराशियों की अधिकता को दर्शाती है। वित्तीय बाजार की तनावपूर्ण स्थिति पीसीबी क्षेत्र एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं के बीच निधि प्रवाह को भी कमजोर करती है। जब पीसीबी क्षेत्र ने अन्य वित्तीय संस्थाओं (जैसे कि मुद्रा बाजार म्यूचुअल फंड) में अपने वित्तीय निवेश को वापस ले लिया तब अन्य वित्तीय संस्थाओं ने निजी गैर-वित्तीय कंपनियों को उधार देने में कटौती करने के अलावा उस क्षेत्र में अपने हिस्से (प्रदत्त पूंजी के अंश के रूप में) को भी कम कर दिया। अतः अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले निधीयन में गत वर्ष की तुलना में कमी आई। इसी प्रकार 2008-09 के दौरान पीसीबी क्षेत्र में विदेशी निवेश एवं विदेशी मुद्रा ऋणों में तेजी से गिरावट आई। 2009-10 में समष्टि-आर्थिक वातावरण के बेहतर होने के साथ निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की निवल बचत में वृद्धि हुई और यह मात्रा की दृष्टि से 2007-08 के स्तर से भी अधिक रही। निवेश में भी काफी वृद्धि हुई, हालांकि यह 2007-08 की तुलना में कम रहा, जिसके परिणामस्वरूप संसाधन का अंतर और बढ़ गया। संसाधन के क्षेत्र में स्थित अंतर के वित्तपोषण संबंध में महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई दिए। मात्रा की दृष्टि से बैंकिंग प्रणाली

सारणी 3: निजी कॉरपोरेट बिजनेस क्षेत्र का वित्तपोषण

(₹ बिलियन)

मदे	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. वित्तीय स्रोत	4646	10847	4996	11306
2. वित्तीय उपयोग	2890	6609	2123	6255
3. वित्तीय घाटा (1-2)	1756	4237	2874	5051
	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)
4. निम्नलिखित क्षेत्रों के निवल निर्गमों द्वारा घाटे को पूरा किया गया				
(i) बैंकिंग	945 (24.6)	1812 (42.8)	690 (24.0)	1186 (23.5)
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	133 (81.7)	642 (15.2)	392 (13.6)	368 (7.3)
(iii) सरकार	-202 (-25.1)	-449 (-10.6)	-317 (-11.0)	-256 (-5.1)
(iv) शेष विश्व	946 (42.2)	3295 (77.8)	527 (18.3)	2869 (56.8)
(v) परिवार	88 (8.0)	89 (2.1)	70 (2.4)	195 (3.9)
(vi) अन्य	-167 (-31.4)	-1153 (-27.2)	1512 (52.6)	689 (13.6)

\$ – संख्याएं 2003-04 से 2007-08 के वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े कुल वित्तीय घाटों की तुलना में प्रतिशत हैं।

के निवल निधीयन में काफी वृद्धि हुई जो मुख्यतः 2009-10 के दौरान पीसीबी क्षेत्र द्वारा बैंक की जमाराशियों के संग्रहण में धीमी गति के कारण था, जबकि खाद्येतर बैंक ऋण की वृद्धि दर वर्ष के दौरान कमोबेश समान रही। इसके अतिरिक्त म्यूचुअल फंड एवं बीमा कंपनी जैसी अन्य वित्तीय संस्थाओं के वित्त में सुधार चलते इन कंपनियों ने पीसीबी क्षेत्र की प्रदत्त पूंजी में अपने उधार के साथ-साथ अंशदान को बढ़ा दिया। साथ ही पीसीबी क्षेत्र ने अन्य वित्तीय संस्थाओं में अपने वित्तीय निवेश को बढ़ाया। इसके परिणामस्वरूप, निवल आधार पर अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा निधीयन की मात्रा में गत वर्ष की तुलना में ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ। समष्टि आर्थिक स्थितियों के बेहतर होने से पीसीबी क्षेत्र में 2009-10 में विदेशी निवेश की स्थिति में सुधार हुआ।

सरकारी क्षेत्र

छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार बकाया राशियों के भुगतान, राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों एवं वृद्धि दर में गिरावट के कारण कर राजस्व पर विपरीत प्रभाव पड़ने के कारण सरकार का अंतिम खपत (सांकेतिक) व्यय 2008-09 (19.9 प्रतिशत) एवं 2009-10 (25.8 प्रतिशत) में तेजी से बढ़ने के परिणामस्वरूप सरकार की 2007-08 की निवल बचत 2008-09 में ऋणात्मक

हो गई तथा 2009-10 में यह और बढ़ गई (सारणी 1)। प्रोत्साहन कार्यक्रम के भाग के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश में भी 2008-09 में वृद्धि हुई जिसके चलते संसाधन की कमी बढ़ गई। 2008-09 में मात्रा की दृष्टि से बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय संस्था दोनों ही क्षेत्रों ने सरकारी क्षेत्र में अपने निवेश को बढ़ाया जो कम जोखिम वाले निवेश के अवसर के प्रति उनकी प्राथमिकता को दर्शाता है (सारणी 4)। 2009-10 में सरकारी क्षेत्र का वित्तीय घाटा गत वर्ष की तुलना में थोड़ा अधिक रहा, लेकिन बैंकिंग एवं अन्य वित्तीय क्षेत्रों से जुटाई गई निवल निधि में गिरावट आई। दूसरी तरफ, पारिवारिक क्षेत्र के निधीयन में तेजी से वृद्धि हुई जो सरकार की भविष्य निधि और लघु बचत संग्रह में हुए अप्रत्याशित सुधार को दर्शाती है।

शेष विश्व क्षेत्र

शेष विश्व क्षेत्र द्वारा जारी किया गया निवल वित्तीय दावा (देयताओं में आई कमी को देयताओं में हुई वृद्धि से घटाकर) 2007-08 के लगभग ₹3,738 बिलियन से तेजी से घटकर 2008-09 में लगभग ₹272 बिलियन रह गया जो विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए रिजर्व बैंक के बाजार परिचालन के हिस्से के रूप में रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा आस्तियों की धारिता में आई गिरावट को दर्शाता है (सारणी 2 एवं विवरणी 5)। देयता

सारणी 4: सरकारी क्षेत्र के वित्तपोषण की प्रवृत्ति

मदें	₹ बिलियन			
	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. वित्तीय स्रोत	3315	4835	6856	6672
2. वित्तीय उपयोग	351	2400	492	-142
3. वित्तीय घाटा (1-2)	2964	2435	6364	6813
	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)
4. निम्नलिखित क्षेत्रों के निवल निर्गमों द्वारा घाटे को पूरा किया गया				
(i) बैंकिंग	389 (15.8)	841 (34.5)	4014 (63.1)	3751 (55.1)
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	997 (31.3)	1132 (46.5)	2797 (43.9)	1691 (24.8)
(iii) निजी कॉरपोरेट बिजनेस	-4 (-0.2)	-2 (-0.1)	-2 (0.0)	-3 (0.0)
(iv) शेष विश्व	164 (5.6)	148 (6.1)	-143 (-2.2)	124 (1.8)
(v) परिवार	913 (34.3)	261 (10.7)	-87 (-1.4)	943 (13.8)
(vi) अन्य	505 (13.1)	55 (2.3)	-215 (-3.4)	307 (4.5)

\$ – संख्याएं 2003-04 से 2007-08 के वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े कुल वित्तीय घाटों की तुलना में प्रतिशत हैं।

पक्ष में हुए परिवर्तनों को मोटे तौर पर दर्शाते हुए शेष विश्व क्षेत्र की निवल वित्तीय आस्तियों (आस्तियों में आई गिरावट को आस्तियों में हुई वृद्धि से घटाकर) की स्थिति में 2009-10 में थोड़ा सुधार हुआ जबकि 2008-09 में इसमें विदेशी निवेश एवं निजी कॉरपोरेट बिजनेस क्षेत्र को दिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों में आई गिरावट के कारण 2008-09 में भारी गिरावट आई थी। जैसा कि पहले जिक्र किया गया है, शेष विश्व क्षेत्र के निवल वित्तीय दावों का कुल वित्तीय दावों में हिस्सा 2009-10 में कम अर्थात् 5.6 प्रतिशत रहा जबकि 2003-04 से 2007-08 के दौरान, जब घरेलू अर्थव्यवस्था के पूंजी प्रवाहों में वृद्धि हुई थी, यह औसतन 10.1 प्रतिशत था।।

पारिवारिक क्षेत्र

भारत का पारिवारिक क्षेत्र हमेशा से अधिशेष वाला क्षेत्र (निवल ऋणदाता) रहा है जिससे बैंकिंग क्षेत्र को अधिकांश अतिरिक्त राशि प्राप्त होती है जिसके बाद अन्य वित्तीय संस्था क्षेत्र का स्थान आता है। (सारणी 5)। पारिवारिक क्षेत्र के वित्तीय अधिशेष में 2008-09 में गिरावट आई किंतु 2009-10 में इसमें काफी सुधार हुआ। 2008-09 में पारिवारिक क्षेत्र के कुल अधिशेष से बैंकिंग क्षेत्र को मिलने वाले हिस्से में वृद्धि हुई लेकिन अन्य वित्तीय क्षेत्र के हिस्से में गिरावट आई जो अनिश्चित वित्तीय माहौल को देखते हुए प्रमुख रूप से बैंक जमाराशियों के प्रति परिवारों की प्राथमिकता एवं जीवन बीमा

प्रीमियमों में आई गिरावट तथा म्यूचुअल फंड के मोचन को दर्शाती है। 2009-10 में समष्टि-आर्थिक माहौल के बेहतर होने एवं जीवन बीमा प्रीमियम, लघु बचत तथा भविष्य निधि संग्रहण में बेहतर आने के चलते पारिवारिक अधिशेष से अन्य वित्तीय संस्थाओं तथा सरकारी क्षेत्र के हिस्से में काफी बढ़ोतरी हुई। फिर भी, पारिवारिक क्षेत्र के वित्तीय अधिशेष में सरकारी क्षेत्र का हिस्सा 2009-10 में बहुत कम रहा और बैंकिंग तथा अन्य वित्तीय संस्थागत क्षेत्रों का हिस्सा 2003-04 से 2007-08 के दौरान के उनके संबंधित औसत हिस्से से अधिक था।

बैंकिंग क्षेत्र

2008-09 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र द्वारा जारी किए गए कुल दावों में गिरावट मुख्य रूप से (क) रिजर्व बैंक के पास सरकारी क्षेत्र की जमाराशियों में गिरावट आने तथा (ख) वाणिज्यिक बैंकों द्वारा विदेश से लिए गए उधार में गिरावट (विवरण 1, 1.1 एवं 1.2) आने को दर्शाती है। रिजर्व बैंक के पास सरकारी जमाराशियों के घटने का मुख्य कारण, घरेलू बाजार में सरकारी खाते में पड़े एमएसएस शेष के मोचन के जरिए चलनिधि का अंतर्वेशन था। रिजर्व बैंक के पास रखे गए सरकारी शेष में हुई गिरावट को 'अन्य देयताओं' में तेजी से हुई वृद्धि अंशतः प्रतिसंतुलित कर देती है। साथ ही वर्ष के दौरान वाणिज्यिक बैंकों की जमाराशियों के प्रवाह

सारणी 5: पारिवारिक क्षेत्र के वित्तीय अधिशेष

(₹ बिलियन)

मद	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. वित्तीय स्रोत	1690	1882	1636	2034
2. वित्तीय उपयोग	5682	7810	7233	9898
3. वित्तीय अधिशेष (2-1)	3993 (100.0)	5928 (100.0)	5597 (100.0)	7864 (100.0)
4. अधिशेष निम्नलिखित क्षेत्रों के उपलब्ध कराया गया				
(i) बैंकिंग	1514 (36.4)	2907 (49.0)	3546 (63.4)	3002 (38.2)
(ii) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1464 (35.0)	2634 (44.4)	2012 (35.9)	3515 (44.7)
(iii) निजी कॉरपोरेट बिजनेस	88 (2.2)	89 (1.5)	70 (1.3)	195 (2.5)
(iv) सरकार	924 (26.3)	297 (5.0)	-31 (-0.6)	1150 (14.6)

\$ - संख्याएं 2003-04 से 2007-08 के वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े कुल वित्तीय अधिशेष की तुलना में प्रतिशत हैं।

में तेजी आई क्योंकि अन्य वित्तीय क्षेत्र की जमाराशियों (प्रमुख रूप से भविष्य निधि एवं म्यूचुअल फंड) का निवल बहिर्वाह पीसीबी क्षेत्र की जमाराशियों में हुई भारी वृद्धि की तुलना में अधिक था जो उनके निवेश संबंधी गतिविधियों में आई कमी को दर्शाता है।

2009-10 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की उधारी में हुई भारी वृद्धि एवं उनके द्वारा अधिक मात्रा में जमा प्रमाणपत्र (सीडी) जारी किए जाने के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र द्वारा जारी किए गए समग्र वित्तीय दावों में और गिरावट आई। सीडी में अभिदान मुख्यतः म्यूचुअल फंडों द्वारा किया गया। बैंकों एवं म्यूचुअल फंडों के बीच का चक्रीय निधि प्रवाह वास्तव में बैंक द्वारा म्यूचुअल फंड की चलनिधि/अल्प-कालिक ऋण योजनाओं में किए गए भारी निवेश तथा म्यूचुअल फंड द्वारा बैंकों के लिए संपार्श्विकीकृत उधार एवं ऋण देयता (सीबीएलओ) और बाजार के रेपो के साथ-साथ सीडी¹ में किए गए निवेश के जरिए किए गए निधि के प्रावधान में दिखाई देता है।

फिर भी 2009-10 में बैंकिंग क्षेत्र के वित्तीय दावों में गिरावट प्रमुख रूप से (क) रिजर्व बैंक की अन्य देयताओं (निवल) में भारी गिरावट आने; (ख) एमएसएस शेष का और मोचन किए जाने एवं (ग) वाणिज्यिक बैंकों द्वारा विदेशी मुद्रा में लिए गए उधार में और गिरावट आने के कारण थी।

अन्य वित्तीय संस्था (ओएफआई) क्षेत्र

अन्य वित्तीय संस्था क्षेत्र द्वारा जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में 2008-09 में भारी गिरावट आई जो मुख्य रूप से म्यूचुअल फंडों से निवल बहिर्वाह होने के कारण था क्योंकि वे मोचन के दबाव में आ गए थे और साथ ही वाणिज्यिक बैंकों से लिए जाने वाले उधार में कमी आई थी (सारणी 2 एवं विवरणी 2, 2.1 और 2.2)।

भारत के बीमा उद्योग में 2008-09 में गिरावट देखी गई। जीवन बीमा कारोबार (प्रथम वर्ष के प्रीमियम की दृष्टि से) में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई (2007-08 में 23.9 प्रतिशत)। यह यूनिट लिंकड प्रीमियम की वृद्धि दर में आई गिरावट को दर्शाती है जिसके

¹ दबाव/चलनिधि संकट के समय में इस प्रकार के चक्रीय निधि प्रवाहों के संभावित प्रणालीगत जोखिम को पहचानते हुए म्यूचुअल फंडों की तरल/अल्पावधि ऋण योजनाओं में बैंकों के निवेश पर अधिकतम विवेकपूर्ण सीमा जुलाई 2011 में निर्धारित की गई थी।

चलते कुल प्रीमियम में उसका हिस्सा घटकर 2008-09 में 40.9 प्रतिशत रह गया (2007-08 में 46.1 प्रतिशत)। जीवन बीमा संबंधी निधियों के उचित मूल्य में परिवर्तन वर्ष के दौरान भारतीय शेयर बाजार के गिरने के कारण ऋणात्मक रहा।

परंतु, अन्य वित्तीय संस्था क्षेत्र द्वारा जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में 2009-10 में परिवर्तन देखा गया जो मुख्य रूप से म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में निधि के प्रवाह में हुए बदलाव (अर्थात् निवल अंतर्वाह) के कारण था। इसके साथ ही जीवन बीमा प्रीमियम संबंधी आय में 19.7 प्रतिशत की वृद्धि होने के साथ बीमा क्षेत्र में 2009-10 में बदलाव देखा गया। यूनिट लिंकड प्रीमियम की आय में 27.4 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप कुल प्रीमियम में उसका हिस्सा बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गया।

III. लिखत-वार वित्तीय प्रवाह

वैश्विक वित्तीय संकट का परोक्ष प्रभाव 2008-09 के दौरान वित्तीय लिखतों के उपयोग से स्पष्ट होता है। जारी किए गए कुल दावों में मुद्रा व जमाराशि एवं सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के हिस्से में वृद्धि हुई, जो उनकी अंतर्निहित निम्न-जोखिम/जोखिम-मुक्त प्रवृत्ति को दर्शाती है, लेकिन अत्यधिक वित्तीय दबाव एवं जोखिम विमुखता की स्थिति के बने रहने के चलते म्यूचुअल फंडों सहित गैर-सरकारी प्रतिभूतियों में सकल रूप में कमी आई (सारणी 6)। 2008-09 में मात्रा की दृष्टि से गिरावट के बावजूद कुल दावों में ऋण एवं अग्रिम का हिस्सा अधिक था। अगले वर्ष वित्तीय बाजार की स्थितियों के क्रमशः सामान्य होने के चलते कुल दावों में मुद्रा तथा जमाराशियों के हिस्से में गिरावट आई लेकिन गैर-सरकारी प्रतिभूतियों (म्यूचुअल फंड सहित) के हिस्से में वृद्धि हुई। 2009-10 में जारी किए गए कुल दावों में सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए निवेश का हिस्सा 2003-04 से 2007-08 के औसत की तुलना में अधिक रहा, फिर भी यह 2008-09 से कम था। 2009-10 में जीवन बीमा संबंधी निधि में वृद्धि के साथ-साथ लघु बचत संग्रहण में थोड़ा सुधार भी देखा गया।

IV. वित्तीय विकास के चुनिंदा संकेतक

निधि प्रवाह के आंकड़ों से प्राप्त विभिन्न 'वित्तीय विकास' अनुपात के जरिए अर्थव्यवस्था में वित्तीय गहनता एवं विस्तार के

सारणी 6: लिखत-वार वित्तीय प्रवाह

लिखत	(₹ बिलियन)			
	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. मुद्राएं और जमाराशियां	4759 (25.0)	8201 (23.3)	7223 (29.0)	6971 (20.0)
2. निवेश	6217 (31.2)	14211 (40.4)	5194 (20.8)	13169 (37.8)
जिसमें से: केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	1785 (10.5)	3207 (9.1)	3616 (14.5)	4287 (12.3)
3. ऋण एवं अग्रिम	5053 (25.4)	8271 (23.5)	6052 (24.3)	8015 (23.0)
4. लघु बचत	441 (3.6)	-136 (-0.4)	-144 (-0.6)	395 (1.1)
5. जीवन निधि	959 (5.1)	1678 (4.8)	1680 (6.7)	2557 (7.3)
6. भविष्य निधि	617 (3.7)	694 (2.0)	713 (2.9)	1279 (3.7)
7. व्यापार ऋण	164 (0.9)	282 (0.8)	280 (1.1)	312 (0.9)
8. विदेशी दावे जिन्हें अन्यत्र वर्गीकृत नहीं किया गया है	-154 (-0.7)	-421 (-1.2)	224 (0.9)	592 (1.7)
9. अन्य दावे जिन्हें अन्यत्र वर्गीकृत नहीं किया गया है	1253 (5.9)	2360 (6.7)	3724 (14.9)	1507 (4.3)
10. जारी किए गए कुल दावे	19309 (100.0)	35141 (100.0)	24947 (100.0)	34797 (100.0)

\$: संख्याएं 2003-04 से 2007-08 के वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े जारी किए गए कुल दावों की तुलना में प्रतिशत हैं।

प्रभाव को समझने के लिए निधि प्रवाह लेखा एक उपयोगी आधार है। इन अनुपातों में वित्त अनुपात, वित्तीय अंतर-संबद्धता अनुपात एवं नए निर्गम अनुपात शामिल हैं (सारणी 7)²।

2001-02 से इन अनुपातों की प्रवृत्ति चार्ट 1 में दी गई है ताकि इन अनुपातों के उतार-चढ़ावों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का पता लगाया जा सके। वित्त अनुपात, वित्तीय अंतर-संबंध अनुपात एवं नए निर्गम अनुपात में वृद्धि हुई तथा लगातार तीन वर्षों अर्थात् 2005-06 से 2007-08 तक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 9 प्रतिशत रही थी, जो वित्तीय विकास की सुदृढ़ गति की ओर संकेत करती है

² वित्त अनुपात, राष्ट्रीय आय की तुलना में कुल वित्तीय दावों का अनुपात आर्थिक वृद्धि के संबंध में वित्तीय विकास दर का सूचक है। वित्तीय अंतर-संबंध अनुपात, निवल घरेलू पूंजी निर्माण की तुलना में कुल निर्गमों का अनुपात वित्तीय विकास एवं भौतिक निवेश की वृद्धि के बीच संबंध दर्शाता है। नया निर्गम अनुपात अर्थात् निवल घरेलू पूंजी निर्माण की तुलना में प्राथमिक निर्गमों का अनुपात पूंजी निर्माण के वित्तपोषण में गैर-वित्तीय क्षेत्र की खुद की निधियों पर निर्भरता की सीमा को दर्शाता है।

सारणी 7: वित्तीय विकास के चुनिंदा सूचक

	(₹ बिलियन)			
	2003-04 से 2007-08 (औसत) \$	2007-08	2008-09	2009-10
1. गौण निर्गम #	7715	13839	11186	12840
2. प्राथमिक निर्गम###	11594	21302	13761	21957
2.1 घरेलू क्षेत्र	9651	17564	13489	20012
2.2 शेष विश्व	1944	3738	272	1945
3. कुल निर्गम (1+2)	19309	35141	24947	34797
4. निवल घरेलू पूंजी निर्माण@	9358	14161	13662	17058
5. राष्ट्रीय आय**	31075	40769	47054	53957
6. वित्तीय अनुपात (5 की तुलना में 3 का अनुपात)	0.59	0.86	0.53	0.64
7. वित्तीय अंतर-संबंध अनुपात (4 की तुलना में 3 का अनुपात)	2.01	2.48	1.83	2.04
8. नए निर्गम अनुपात (4 की तुलना में 2 का अनुपात)	1.21	1.50	1.01	1.29
9. कारक लागत पर वास्तविक जीडीपी में वृद्धि	8.7	9.3	6.7	8.4

\$ संख्याएं 2003-04 से 2007-08 वर्तमान कीमतों पर प्रवाहों के औसत हैं।

वित्तीय मध्यस्थों के निर्गमों से संबंधित (अर्थात् बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं)।

वित्तीय मध्यस्थों को छोड़कर सभी क्षेत्रों के निर्गमों से संबंधित।

@ वर्तमान कीमतों पर।

** वर्तमान कीमतों पर कारक लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद।

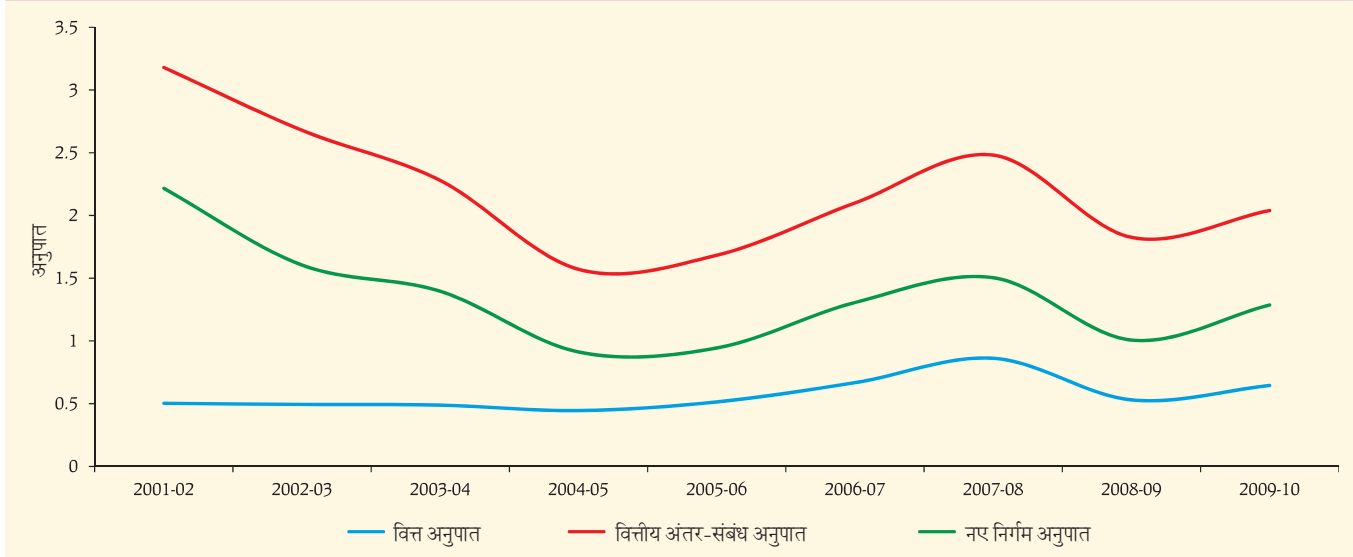
टिप्पणी: मद संख्या 4 और 5 के आंकड़े राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, सीएसओ से प्राप्त किए गए हैं।

(सारणी 7)। सभी तीनों अनुपातों में 2008-09 में गिरावट आई क्योंकि अर्थव्यवस्था की गति में कमी आ गई थी और वैश्विक वित्तीय संकट के परोक्ष प्रभाव के कारण वित्तीय बाजार दबाव में आ गया था। समन्वित रूप से नीतिगत कार्रवाई किये जाने के बाद सभी तीनों अनुपातों में 2009-10 में फिर से वृद्धि देखी गई और वस्तुतः यह 2003-04 से 2007-08 के दौरान उसके संबंधित औसतों से थोड़ा अधिक था।

V. निष्कर्ष

निधि प्रवाह खाता भारतीय समष्टि-आर्थिक एवं वित्तीय माहौल में हुए परिवर्तनों को दर्शाता है जिसके चलते वित्तीय स्थिति 2007-08 की मजबूत हालत से एक ऐसी हालत में चली गई जब 2008-09 में वैश्विक वित्तीय संकट के परोक्ष प्रभाव के चलते समग्र वृद्धि एवं निजी क्षेत्र के निवेश में गिरावट आई और वित्तीय बाजार दबाव में आ गया, लेकिन समन्वित राजकोषीय-मौद्रिक नीति संबंधी

चार्ट 1: वित्तीय अनुपात: 2001-02 से 2009-10



उपायों के चलते 2009-10 में वित्तीय माहौल में तेजी से सुधार हुआ। इस अवधि के निधि प्रवाह की मुख्य-मुख्य बातें निम्नानुसार हैं:

- राष्ट्रीय आय की तुलना में सभी क्षेत्रों द्वारा जारी किए गए कुल वित्तीय दावों के अनुपात में 2008-09 में गिरावट आई लेकिन 2009-10 में इनमें सुधार हुआ और ये वस्तुतः 2003-04 से 2007-08 के दौरान के औसत से अधिक रहे।
- 2008-09 में जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में जो गिरावट आई वह मुख्यतः निजी कॉर्पोरेट बिजनेस क्षेत्र में और तत्पश्चात् शेष विश्व क्षेत्र एवं अन्य वित्तीय संस्थागत क्षेत्रों में दिखाई पड़ता है। सरकारी क्षेत्र के दावों में वृद्धि हुई जो राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के चलते समग्र उधारी में हुई बढ़ोतरी को दर्शाती है।
- लगभग सभी क्षेत्रों, खासकर अन्य वित्तीय संस्थाओं (बीमा एवं म्यूचुअल फंड सहित) के दावों में 2009-10 में काफी वृद्धि हुई। राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी कार्यक्रम के चलते सरकारी क्षेत्र के वित्तीय दावों में केवल मामूली गिरावट आई।
- परंतु, बैंकिंग क्षेत्र के दावों में, अन्य बातों के साथ-साथ एमएसएस शेष की अनवाइंडिंग के परिणामस्वरूप 2009-10 में और गिरावट आई।
- निजी कॉर्पोरेट बिजनेस क्षेत्र के संसाधन में कमी का अंतर 2008-09 में कम हो गया क्योंकि निवेश में निवल बचत

की तुलना में अधिक गिरावट आई थी। यह खासकर शेष विश्व क्षेत्र (विदेशी निवेश और उधारी के कमजोर पड़ने को प्रतिबिम्बित करता है) एवं बैंकों के संसाधन की कमी के वित्तपोषण के प्रमुख स्रोतों में दिखाई पड़ता है। 2009-10 में समष्टि-आर्थिक स्थितियों में सुधार होने के परिणामस्वरूप निजी कॉर्पोरेट बिजनेस क्षेत्र के उच्चतर वित्तीय घाटे का वित्तपोषण प्रमुख रूप से बैंकिंग एवं शेष विश्व क्षेत्र द्वारा किया गया।

- राजकोषीय प्रोत्साहन संबंधी उपायों के परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र की निवल बचत 2008-09 में ऋणात्मक हो गई जिसकी स्थिति 2009-10 में और खराब हो गई। 2008-09 में सरकारी निवेश में हुई वृद्धि से संसाधन की कमी और बढ़ गई। बैंक, सरकार की संसाधन की कमियों के वित्तपोषण के प्रमुख स्रोत रहे। संसाधन की कमी के वित्तपोषण में पारिवारिक क्षेत्र का हिस्सा 2009-10 में काफी बढ़ गया जो लघु बचतों एवं भविष्य निधियों में हुई भारी वृद्धि को दर्शाता है।
- पारिवारिक क्षेत्र वित्तीय अधिशेष वाला क्षेत्र बना रहा। पारिवारिक क्षेत्र का वित्तीय अधिशेष 2008-09 में थोड़ा घट गया किंतु 2009-10 में वित्तीय बचत के चलते बढ़ गया। पारिवारिक क्षेत्र के वित्तीय अधिशेष के एक बड़े हिस्से का बैंक जमा राशियों के रूप में निवेश किया गया। 2009-10 में

अन्य वित्तीय संस्थाओं की ओर लगाए गए पारिवारिक वित्तीय अधिशेष के हिस्से वृद्धि हुई क्योंकि वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ था।

- सभी क्षेत्रों द्वारा जारी किए गए कुल वित्तीय दावों में बैंक जमा राशियों और सरकारी प्रतिभूतियों के हिस्से में वृद्धि हुई जबकि गैर-सरकारी प्रतिभूतियों (म्यूचुअल फंड सहित) के हिस्से में वित्तीय बाजार की अनिश्चितताओं के चलते 2008-

09 के दौरान गिरावट आई। 2009-10 में कुल वित्तीय दावों में गैर-सरकारी प्रतिभूतियों के हिस्से में काफी वृद्धि हुई।

- वित्त अनुपात, वित्तीय अंतर-संबंध अनुपात एवं नए निर्गम अनुपात में 2008-09 में गिरावट आई किंतु 2009-10 में प्रवृत्ति से कुछ अधिक वृद्धि हुई। इन अनुपातों में हुए उतार-चढ़ाव दर्शाते हैं कि वित्तीय गहनता की गति में 2009-10 में काफी हद तक सुधार हुआ।

विवरण 1: बैंकिंग क्षेत्र

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. संचलन में नोट	871	975	1020
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-2	-5	12
ख) निजी कंपनी कारोबार	26	12	11
ग) सरकार	44	54	38
घ) घरेलू	803	914	959
2. जमाराशियां	7116	5648	5643
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	812	-178	441
ख) निजी कंपनी कारोबार	219	1649	1182
ग) सरकार	1747	-88	-17
घ) शेष विश्व	455	90	43
ड) घरेलू	3890	4178	3981
च) अन्य	-7	-3	13
3. लिए गए उधार	301	-88	605
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	70	104	716
ख) सरकार	1	-1	0
ग) शेष विश्व	228	-185	-110
घ) अन्य	3	-6	-1
4. डिबेंचर	16	16	21
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	15	15	19
ख) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
ग) सरकार	2	2	2
घ) घरेलू	0	0	0
5. प्रदत्त पूंजी	127	42	157
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
i) बीमा	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	0	1	1
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	0	1	1
ग) सरकार	22	0	64
घ) घरेलू	8	2	10
ड) अन्य	97	39	82
6. देय बिल	78	43	158
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	0	0	0
ग) सरकार	0	0	0
घ) घरेलू	0	0	-1
ड) अन्य	77	42	158
7. शाखाओं या विदेश स्थित मूल कार्यालय को देय	13	12	-40
8. अन्य देयताएं	374	1904	-1077
कुल	8897	8552	6487

विवरण 1: बैंकिंग क्षेत्र (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. स्वर्ण, सिक्के और सोना-चांदी	86	71	27
2. विदेशी आस्तियां	3463	428	-762
3. एक रुपये के नोट और सिक्के	1	0	2
4. निम्नलिखित के पास के शेष :	0	2	2
क) सरकार	0	0	0
ख) अन्य	0	2	2
5. ऋण और अग्रिम	4630	4227	4505
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-5	418	-69
ख) निजी कंपनी कारोबार	2374	1799	2068
ग) सरकार	442	464	512
घ) घरेलू	1795	1548	1944
ड) अन्य	25	-2	51
6. निवेश	2245	3160	3165
क) शेयर/डिबेंचर की अन्य वित्तीय संस्थाएं	29	51	-48
ख) शेयर/डिबेंचर की निजी कंपनी कारोबार	213	488	241
ग) सरकारी प्रतिभूतियां	1903	2483	2917
i) केंद्र/राज्य सरकार प्रतिभूतियां	1855	2430	2903
ii) अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	47	53	15
घ) शेष विश्व	3	1	-1
ड) अन्य	97	138	56
7. शाखाओं या विदेश स्थित मूल कार्यालय से देय	13	12	-40
8. अन्य आस्तियां	1344	-73	-348
कुल	11783	7827	6552

विवरण 1.1: भारतीय रिज़र्व बैंक

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	0	0	0
2. जमाराशियां	2655	-1778	-247
क) बैंकिंग	1325	-388	586
i) वाणिज्य बैंक	1291	-373	564
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	34	-15	22
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	17	-13	3
i) वित्तीय निगम	15	-15	1
ii) बीमा	0	0	0
iii) भविष्य निधि	2	2	2
iv) नाबार्ड	0	0	0
ग) सरकार	1320	-1369	-853
i) केंद्र सरकार	1320	-1369	-853
ii) राज्य सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	0	-5	4
ङ) अन्य	-7	-3	13
3. लिए गए उधार	0	0	0
क) शेष विश्व	0	0	0
4. संचलन में नोट	883	1008	1083
क) बैंकिंग	11	33	63
i) वाणिज्य बैंक	19	22	52
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	-7	11	10
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-2	-5	12
i) वित्तीय निगम	-2	-5	12
ii) बीमा	0	0	0
ग) निजी कंपनी कारोबार	26	12	11
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	0	0	0
ii) कंपनियां	26	12	11
घ) सरकार	44	54	38
i) केंद्र सरकार	0	4	0
ii) राज्य सरकार	0	0	0
iii) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
iv) वाणिज्यिक उपक्रम	44	49	38
ङ) घरेलू	803	914	959
5. देय बिल	0.0	0.2	1.7
क) बैंकिंग	0.0	0.0	0.5
i) वाणिज्य बैंक	0.0	0.0	0.5
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0.0	0.0	0.0
i) बीमा	0.0	0.0	0.0
ग) निजी कंपनी कारोबार	0.0	0.1	0.0
i) कंपनियां	0.0	0.1	0.0
घ) सरकार	0.1	0.0	0.0
i) केंद्र सरकार	0.0	0.0	0.1
ii) स्थानीय प्राधिकरण	0.0	0.0	0.0
ङ) घरेलू	0.2	0.4	-0.5
च) अन्य	-0.4	-0.2	1.7
6. अन्य देयताएं (निवल)	315	1819	-1172
कुल	3853	1050	-335

विवरण 1.1: भारतीय रिज़र्व बैंक (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. स्वर्ण, सिक्के और सोना-चांदी	86	71	27
2. विदेशी आस्तियां	3463	428	-762
3. रुपया सिक्के और छोटे सिक्के	1	0	2
4. ऋण और अग्रिम	-17	184	-218
क) बैंकिंग	-18	58	-92
i) वाणिज्य बैंक	-17	56	-90
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	-1	2	-2
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	3	120	-125
i) वित्तीय निगम	3	120	-125
ग) सरकार	-1	5	-2
i) केंद्र सरकार	0	0	0
ii) राज्य सरकार	-1	5	-2
घ) निजी कंपनी कारोबार	0	0	1
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	0	0	1
ड) घरेलू**	0	0	0
फ) अन्य	0	0	0
5. निवेश	164	428	650
क) बैंकिंग	-12	0.0	0.0
i) वाणिज्य बैंक	-12	0.0	0.0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0.0	0.0
i) वित्तीय निगम	0	0.0	0.0
ग) सरकार	174	428	650
i) केंद्र सरकार	174	428	650
(क) खजाना बिल	0	0	0
(ख) अन्य केन्द्र सरकार प्रतिभूतियां	174	428	650
घ) शेष विश्व	2	0	0
ड) अन्य	0	0	0
6. अन्य आस्तियां (निवल)	0	0	0
कुल	3698	1110	-302

**आंकड़े कर्मचारियों को दिए गए ऋणों से संबंधित हैं।

विवरण 1.2: वाणिज्य बैंक

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	111	43	154
क) बैंकिंग	-12	0	0
i) भारतीय रिजर्व बैंक	-12	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
i) बीमा	0	0	0
ग) सरकार	18	3	63
i) केंद्र सरकार	18	1	62
ii) राज्य सरकार	1	1	1
घ) घरेलू	7	2	9
ङ) अन्य	97	39	82
2. जमाराशियां	5614	6677	6133
क) बैंकिंग	16	6	49
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	16	6	49
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	795	-165	437
i) वित्तीय निगम	275	30	267
ii) बीमा	-30	149	5
iii) भविष्य निधि	169	-113	-72
iv) मीयादी ऋणदात्री संस्थाएं एवं म्यूच्युअल फंड	382	-231	237
ग) निजी कंपनी कारोबार	208	1639	1174
i) कंपनियां	223	1603	948
ii) गैर-क्रेडिट सोसायटी	-14	36	225
घ) सरकार	513	1266	814
i) केंद्र और राज्य सरकार	142	599	670
ii) स्थानीय प्राधिकरण	192	32	332
iii) वाणिज्यिक उपक्रम	179	635	-188
ङ) शेष विश्व	455	95	39
च) घरेलू	3626	3837	3620
3. लिए गए उधार	271	-29	526
क) बैंकिंग	-22	44	-81
i) भारतीय रिजर्व बैंक	-17	56	-90
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	-5	-12	9
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	66	112	718
i) वित्तीय निगम	66	112	718
ग) शेष विश्व	228	-185	-110
4. देय बिल	78	43	157
क) भारत में	77	42	156
ख) भारत के बाहर	1	1	0
5. अन्य देयताएं	0	0	0
6. भारत के बाहर स्थित कार्यालयों से शाखा समायोजन	152	12	-40
7. भारत के बाहर शाखाओं / मूल कार्यालयों को देय	13	12	-40
कुल	6239	6757	6891

विवरण 1.2: वाणिज्य बैंक (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	19	22	53
क) भा.रि.बैंक नोट	19	22	52
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	0	0	1
2. भा.रि.बैंक के पास शेष	1291	-373	564
3. निवेश	1866	2010	2191
क) बैंकिंग	0	0	0
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	10	25	-15
i) वित्तीय निगम	10	25	-15
ग) निजी कंपनी कारोबार	17	9	-12
i) कंपनियां	17	9	-12
घ) सरकार	1839	1975	2219
i) केंद्र सरकार	1411	1406	1591
ii) राज्य सरकार	415	565	635
iii) वाणिज्यिक उपक्रम	11	4	-7
iv) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
v) अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	2	0	0
ड) शेष विश्व	1	0	-1
4. बैंक ऋण	4485	4018	4467
क) बैंकिंग	-20	1	1
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	-20	1	1
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-8	297	56
ग) निजी कंपनी कारोबार	2327	1765	2005
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	33	32	39
ii) कंपनियां	2293	1734	1966
घ) सरकार	443	460	514
i) राज्य सरकार	15	21	24
ii) वाणिज्यिक उपक्रम	378	391	436
iii) अर्ध सरकारी निकाय	50	48	54
ड) घरेलू	1743	1495	1891
5. शाखा समायोजन	7	39	-30
क) भारत के बाहर कार्यालय से	7	39	-30
6. अन्य आस्तियां	1329	-87	-366
कुल	8997	5629	6879

विवरण 1.3: सहकारी बैंक और ऋण समितियां

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	4	-1	3
क) निजी कंपनी कारोबार	0	1	1
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	0	1	1
ख) सरकार	3	-2	2
ग) घरेलू	0	0	0
घ) अन्य	0	0	0
2. डिबेंचर	17	17	23
क) बैंकिंग	1	1	1
i) वाणिज्य बैंक	1	1	1
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	15	15	19
i) वित्तीय निगम	15	15	19
ii) बीमा	0	0	0
ग) सरकार	2	2	2
घ) घरेलू	0	0	0
3. जमाराशियां	188	367	392
क) निजी कंपनी कारोबार	11	11	9
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	11	11	9
ख) सरकार	-86	15	22
i) स्थानीय निकाय	-86	15	22
ग) घरेलू	264	342	361
घ) अन्य	0	0	0
4. लिए गए उधार	8	-15	-3
क) बैंकिंग	0	0	0
i) भा.रि.बैंक	0	0	0
ii) वाणिज्य बैंक	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	4	-8	-1
i) नाबार्ड	4	-7	-1
ग) सरकार	1	-1	0
घ) अन्य	3	-6	-1
5. अन्य देयताएं	59	84	95
कुल	276	452	509

विवरण 1.3: सहकारी बैंक और ऋण समितियां (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	0.5	0.5	0.6
क) भारतीय रिजर्व बैंक	0.5	0.5	0.6
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	0.0	0.0	0.0
2. जमा राशियां	-2	12	7
क) बैंकिंग	-2	10	5
i) भा.रि.बैंक	-2	0	-1
ii) वाणिज्य बैंक	0	10	6
ख) सरकार	0	0	0
ग) अन्य	0	2	2
3. ऋण और अग्रिम	124	84	166
क) निजी कंपनी कारोबार	47	33	63
i) गैर-क्रेडिट सोसायटी	47	33	63
ख) घरेलू	52	52	53
ग) अन्य	25	-2	51
4. निवेश	202	723	324
क) अन्य वित्तीय संस्थाओं के शेयर/डिबेंचर	19	26	-33
ख) निजी कंपनी कारोबार	196	479	253
i) ऋणेतार समितियों के शेयर	196	479	253
ग) सरकार	-110	79	48
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-145	31	26
ii) अर्ध-सरकारी प्रतिभूतियां	35	49	22
ड) अन्य	97	138	56
5. अन्य आस्तियां	14	14	19
कुल	339	833	516

विवरण 2: अन्य वित्तीय संस्थाएं

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	148	125	126
क) बैंकिंग	8	2	4
i) भारतीय रिज़र्व बैंक	0	-1	0
ii) वाणिज्य बैंक	8	3	4
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	29	39	20
ग) सरकार	4	9	6
i) केंद्र सरकार	1	8	3
ii) राज्य सरकार	2	1	4
घ) शेष विश्व	11	12	9
ङ) घरेलू	94	63	86
च) अन्य	2	-1	0
2. बांड एवं डिबेंचर	152	320	559
क) बैंकिंग	-20	-172	225
i) भारतीय रिज़र्व बैंक	0	0	0
ii) वाणिज्य बैंक	-22	-173	230
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	2	2	-5
ख) निजी कंपनी कारोबार	13	229	226
ग) सरकार	3	9	5
घ) शेष विश्व	24	31	38
ङ) घरेलू	0	0	0
च) अन्य	132	223	65
3. जमाराशियां	320	262	191
क) बैंकिंग	294	183	153
ख) निजी कंपनी कारोबार	1	6	2
i) कंपनियां	1	6	2
ग) सरकार	0	0	0
घ) घरेलू	6	75	25
ङ) अन्य	19	-2	11
4. लिए गए उधार	551	412	788
क) बैंकिंग	576	218	331
i) भारतीय रिज़र्व बैंक	1	137	-133
ii) वाणिज्य बैंक	575	81	464
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	-51	-63	-35
ग) सरकार	5	89	216
i) केंद्र सरकार	7	88	216
ii) राज्य सरकार	-1	1	0
घ) शेष विश्व	5	40	25
ङ) घरेलू	36	0	0
च) अन्य	-22	128	250

लेख

भारतीय अर्थव्यवस्था के निधि प्रवाह खाते:
2008-09 और 2009-10

विवरण 2: अन्य वित्तीय संस्थाएं (जारी)

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
5. जीवन निधि	1663	1663	2536
क) भारत में	1663	1663	2536
ख) भारत के बाहर	0	0	0
6. भविष्य / पेंशन / डीएलआई निधियां	421	456	676
क) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
ख) सरकार	0	0	0
ग) घरेलू	421	456	676
7. यूनिट पूंजी (सभी म्यूचुअल फंड)	1628	-704	1430
क) बैंकिंग	30	-15	33
ख) निजी कंपनी कारोबार	677	-269	786
ग) शेष विश्व	167	-23	228
घ) घरेलू	565	-132	310
ड) अन्य	190	-265	72
8. व्यापार कर्ज	-8	5	-2
9. अन्य देयताएं	67	97	49
क) भारत में	67	97	49
ख) भारत के बाहर	0	0	0
कुल	4942	2635	6353

विवरण 2: अन्य वित्तीय संस्थाएं (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. मुद्रा	78	-77	27
क) भा.रि.बैंक नोट	76	-76	27
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	1	-1	0
2. जमाराशियां	267	139	191
क) बैंकिंग	243	105	193
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0	1	-1
ii) वाणिज्य बैंक	243	104	194
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार (कंपनी)	0	-2	0
ग) सरकार	0	4	3
घ) शेष विश्व	-1	23	-1
ड) अन्य	25	9	-4
3. ऋण और अग्रिम	666	297	814
क) बैंकिंग	79	27	139
i) वाणिज्य बैंक	69	37	126
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	10	-10	13
ख) निजी कंपनी कारोबार	65	-195	310
i) कंपनियां	62	-194	310
ii) ऋणेतार समितियां	3	-1	0
ग) सरकार	166	295	277
i) केंद्र सरकार	0	0	0
ii) राज्य सरकार	166	125	131
iii) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
iv) बिजली बोर्ड	0	-2	48
v) वाणिज्यिक उपक्रम	0	172	98
घ) शेष विश्व	37	36	2
ड) घरेलू	87	119	108
च) अन्य	233	16	-22
4. निवेश	1527	1104	2928
क) बैंकिंग	72	180	604
i) वाणिज्य बैंक	60	192	593
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	12	-11	12
ख) निजी कंपनी कारोबार	205	117	581
i) कंपनियां	205	117	581
(1) शेयर	194	52	512
(2) डिबेंचर	11	65	68
ii) ऋणेतार समितियां	0	0	0
ग) सरकार	199	1083	1299
i) केंद्र सरकार	145	479	461
ii) राज्य सरकार	53	413	306
iii) अल्प बचत	0	0	0
iv) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
v) बिजली बोर्ड	0	-2	-2
vi) वाणिज्यिक उपक्रम	1	193	535
घ) शेष विश्व	0	1	0
ड) अन्य	1051	-277	444
5. अन्य आस्तियां	28	47	74
क) बैंकिंग	9	-7	-1
ख) केंद्र सरकार	0	0	0
ग) शेष विश्व	-1	0	0
घ) अन्य	21	54	76
कुल	2566	1511	4035

विवरण 2.1: वित्तीय निगम और कंपनियां

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	104	65	94
क) बैंकिंग	4	-3	0
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0	-1	0
ii) वाणिज्य बैंक	4	-2	0
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
i) बीमा	0	0	0
ग) निजी कंपनी कारोबार	0	-1	0
i) कंपनियां	0	-1	0
घ) सरकार	4	9	6
i) केंद्र सरकार	1	8	3
ii) राज्य सरकार	2	1	4
ङ) शेष विश्व	1	-2	1
च) घरेलू	94	63	86
छ) अन्य	2	-1	0
2. यूनिट पूंजी	1006	-276	1114
क) बैंकिंग	30	-15	33
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	14	-7	15
ग) निजी कंपनी कारोबार	677	-269	786
द) शेष विश्व	167	-23	228
ङ) घरेलू	-71	303	-20
च) अन्य	190	-265	72
3. बांड एवं डिबेंचर	486	228	606
क) बैंकिंग	-20	-172	225
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0	0	0
ii) वाणिज्य बैंक	-22	-173	230
iii) सहकारी संस्थाएं	2	2	-5
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	21	-92	47
i) बीमा	-37	-19	47
ii) भविष्य निधि	58	-73	0
ग) निजी कंपनी कारोबार	13	229	226
i) कंपनियां	13	229	226
घ) सरकार	3	9	5
ङ) शेष विश्व	24	31	38
च) घरेलू	0	0	0
छ) अन्य	132	223	65
4. लिए गए उधार	565	466	777
क) बैंकिंग	576	218	331
i) भारतीय रिजर्व बैंक	1	137	-133
ii) वाणिज्य बैंक	575	81	464
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	14	55	-11
ग) निजी कंपनी कारोबार	-51	-63	-35
घ) सरकार	5	89	216
i) केंद्र सरकार	7	88	216
ii) राज्य सरकार	-1	1	0
ङ) शेष विश्व	5	40	25
च) घरेलू	0	0	0
छ) अन्य	-22	128	250
5. अन्य देयताएं	33	43	23
क) भारत में	0	0	0
ख) भारत के बाहर	0	0	0
6. जमाराशियां	320	262	191
क) बैंकिंग	294	183	153
ख) निजी कंपनी कारोबार	1	6	2
ग) सरकार	0	0	0
घ) घरेलू	6	75	25
ङ) अन्य	19	-2	11
7. व्यापार कर्ज	-8	5	-2
कुल	2505	794	2804

विवरण 2.1: वित्तीय निगम और कंपनियों (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
मुद्रा और जमा	297	5	278
1. उपलब्ध नकदी	38	-48	14
क) भा.रि.बैंक नोट	37	-47	14
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	1	-1	0
2. जमाराशियां	259	52	264
क) बैंकिंग	275	32	265
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0	2	-1
ii) वाणिज्य बैंक	275	30	267
iii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार- कंपनियां	0	-2	0
ग) सरकार	0	4	3
घ) शेष विश्व	-1	17	-4
ङ) अन्य	-14	1	-1
2. ऋण और अग्रिम	501	236	810
क) बैंकिंग	79	27	139
i) वाणिज्य बैंक	69	37	126
ii) सहकारी संस्थाएं	10	-10	13
ख) निजी कंपनी कारोबार	154	-194	311
i) कंपनियां	151	-193	311
ii) ऋणेतार समितियां	3	-1	0
ग) सरकार	166	303	287
i) वाणिज्यिक उपक्रम	0	172	98
ii) केंद्र सरकार	0	0	0
iii) राज्य सरकार	166	131	189
घ) शेष विश्व	37	36	2
ङ) घरेलू	69	70	71
च) अन्य	-4	-6	0
3. निवेश	659	283	535
क) बैंकिंग	23	32	-29
i) वाणिज्य बैंक	14	43	-41
ii) सहकारी संस्थाएं	9	-11	12
ख) निजी कंपनी कारोबार	183	68	416
i) शेयर	179	53	411
ii) डिबेंचर	4	15	5
ग) सरकार	198	459	-2
i) केन्द्र सरकार प्रतिभूतियां	145	218	-10
ii) राज्य सरकार प्रतिभूतियां	53	241	8
iii) वाणिज्यिक उपक्रम	1	12	0
iv) अल्प बचत	0	0	0
घ) शेष विश्व	0	1	0
ङ) घरेलू	0	0	0
च) अन्य	255	-276	151
4. अन्य आस्तियां	2	-40	19
क) बैंकिंग	9	-7	-1
ख) सरकार	0	0	0
ग) अन्य	-7	-32	21
कुल	1460	484	1643

विवरण 2.2: बीमा क्षेत्र

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	48	65	35
क) बैंकिंग	5	5	4
i) भारतीय रिज़र्व बैंक	0	0	0
ii) वाणिज्य बैंक	5	5	4
ख) वित्तीय एवं निवेश कंपनियां	4	5	3
ख) निजी कंपनी कारोबार	29	41	20
ग) सरकार	0	0	0
i) केंद्र सरकार	0	0	0
घ) घरेलू	0	0	0
ङ) शेष विश्व	11	14	8
2. जीवन निधि	1663	1663	2536
क) भारत में	1663	1663	2536
ख) भारत के बाहर	0	0	0
3. लिए गए उधार	0	0	0
क) वाणिज्य बैंक	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ग) शेष विश्व	0	0	0
4. अन्य देयताएं	67	97	49
क) भारत में	67	97	49
ख) भारत के बाहर	0	0	0
कुल	1778	1825	2619

विवरण 2.2: बीमा क्षेत्र (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	40	-29	13
क) भा.रि.बैंक नोट	39	-29	13
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	1	0	0
2. जमाराशियां	8	87	-72
क) बैंकिंग	-32	73	-72
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0	-1	1
ii) वाणिज्य बैंक	-32	74	-73
iii) सहकारी बैंक	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार- कंपनियां	0	0	0
ग) सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	1	5	3
ङ) अन्य	39	8	-3
3. ऋण और अग्रिम	99	67	33
क) बैंकिंग	0	0	0
i) वाणिज्य बैंक	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं- वित्तीय निगम	0	-4	-16
ग) निजी कंपनी कारोबार	-90	0	-1
i) कंपनियां	-90	0	-1
ii) ऋणोत्तर समितियां	0	0	0
घ) सरकार	-93	1	35
i) केंद्र सरकार	0	0	0
ii) राज्य और केंद्र शासित प्रदेश	0	-6	-57
iii) पीएसयू	0	10	45
iii) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
iv) बिजली बोर्ड	0	-2	48
v) वाणिज्यिक उपक्रम	0	0	0
ङ) शेष विश्व	0	0	0
च) घरेलू	18	49	37
छ) अन्य	238	21	-22
4. निवेश	1205	639	4127
क) बैंकिंग	48	148	634
i) वाणिज्य बैंक	46	149	634
i.i) शेयर	0	-5	457
i.ii) डिबेंचर	0	136	120
i.iii) जमा प्रमाणपत्र	0	18	57
ii) सहकारी संस्थाएं	3	0	0
ख) वित्तीय निगम	22	59	207
i) शेयर	15	-1	102
ii) डिबेंचर	7	50	63
iii) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई सहित)	0	10	42
ग) निजी कंपनी कारोबार	394	-184	1678
i) कंपनियां	394	-184	1678
(1) शेयर	357	-505	1482
(2) डिबेंचर	37	317	194
(3) वाणिज्य पत्र	0	3	2
ii) ऋणोत्तर समितियां	0	0	0
घ) सरकार	652	616	1315
i) केंद्र सरकार प्रतिभूतियां	0	261	471
ii) राज्य सरकार प्रतिभूतियां	0	172	297
iii) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
iv) बिजली बोर्ड	0	-2	-2
v) वाणिज्यिक उपक्रम	0	181	535
ङ) शेष विश्व	0	0	0
च) अन्य	797	0	293
5. अन्य आस्तियां	26	87	55
क) केंद्र सरकार	0	0	0
ख) शेष विश्व	-1	0	0
ग) अन्य	27	87	55
कुल	1377	850	4156

विवरण 3: निजी कंपनी कारोबार

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	4319	2017	5063
क) बैंकिंग	213	488	241
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1524	225	1637
ग) सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	2494	1264	3117
ड) घरेलू	87	41	69
2. डिबेंचर	3	0	2
क) बैंकिंग	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ग) सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	0	0	0
ड) घरेलू	3	0	2
3. सावधि जमा	-4	39	144
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ख) घरेलू	-4	39	144
4. लिए गए उधार	4928	2205	3679
क) बैंकिंग	2454	1864	2169
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	154	-194	311
ग) सरकार	38	-61	26
घ) शेष विश्व	1552	176	469
ड) अन्य	729	420	704
5. व्यापार ऋण (निवल)	6	-7	-16
6. अन्य देयताएं	1596	742	2435
कुल	10847	4996	11306

विवरण 3: निजी कंपनी कारोबार (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	27	12	42
क) भा.रि.बैंक नोट	26	11	41
ख) एक रुपए नोट	1	0	1
2. सावधि जमा	1281	1854	1482
क) बैंकिंग	829	1649	1182
i) वाणिज्य बैंक	818	1639	1174
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	11	11	9
ख) सरकार	452	205	300
3. ऋण और अग्रिम	2986	-396	1923
क) घरेलू	3	3	3
ख) अन्य	2983	-398	1921
4. निवेश	2317	515	2922
क) बैंकिंग	0	1	1
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	1	1
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1036	-362	1579
ग) सरकार	35	52	-19
घ) शेष विश्व	750	913	717
ङ) अन्य	496	-90	644
5. अन्य आस्तियां	-1	138	-115
कुल	6609	2123	6255

विवरण 3.1: निजी गैर वित्तीय कंपनियां

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	4121	1537	4809
क) बैंकिंग	17	9	-12
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1524	225	1637
ग) सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	2494	1264	3117
ड) घरेलू	86	39	67
2. डिबेंचर	3	0	2
क) बैंकिंग	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ग) सरकार	0	0	0
घ) शेष विश्व	0	0	0
ड) घरेलू	3	0	2
3. सावधि जमा	-4	39	143
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ख) घरेलू	-4	39	143
4. लिए गए उधार	4843	2140	3576
क) बैंकिंग	2374	1799	2068
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	151	-193	311
ग) सरकार	37	-62	24
घ) शेष विश्व	1552	176	469
ड) अन्य	729	420	704
5. व्यापार ऋण (निवल)	6	-7	-16
6. अन्य देयताएं	1596	742	2435
कुल	10564	4451	10948

विवरण 3.1: निजी गैर वित्तीय कंपनियां (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	26	12	42
क) भा.रि.बैंक नोट	26	11	41
ख) एक रुपए नोट और सिक्के	1	0	1
2. सावधि जमा	1284	1808	1248
क) बैंकिंग	0	0	0
i) वाणिज्य बैंक	832	1603	948
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) सरकार	452	205	300
3. ऋण और अग्रिम	2983	-398	1921
क) घरेलू	0	0	0
ख) अन्य	2983	-398	1921
4. निवेश	2317	514	2921
क) बैंकिंग	0	0	0
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1036	-362	1579
ग) सरकार	35	52	-19
घ) शेष विश्व	750	913	717
ड) अन्य	496	-90	644
5. अन्य आस्तियां	-1	138	-115
कुल	6609	2073	6018

विवरण 3.2: सहकारी ऋणोत्तर समितियां

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	198	480	255
क) बैंकिंग	196	479	253
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	196	479	253
ख) सरकार	0	0	0
ग) घरेलू	2	2	2
2. सावधि जमा	0	0	0
क) घरेलू	0	0	0
3. लिए गए उधार	84	65	103
क) बैंकिंग	80	65	101
i) वाणिज्य बैंक	33	32	39
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	47	33	63
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	3	-1	0
i) वित्तीय निगम	3	-1	0
ii) जीवन बीमा निगम	0	0	0
ग) सरकार	1	2	2
घ) अन्य	0	0	0
4. अन्य देयताएं	0	0	0
कुल	283	546	358

विवरण 3.2: सहकारी ऋणोत्तर समितियां (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	0	0	0
क) भा.रि.बैंक नोट	0	0	0
ख) एक रुपए नोट और सिक्के	0	0	0
2. बैंकों के पास शेष	-3	46	234
क) बैंकिंग	-3	46	234
i) वाणिज्य बैंक	-14	36	225
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	11	11	9
3. ऋण और अग्रिम (घरेलू)	3	3	3
4. निवेश	0	1	1
क) बैंकिंग	0	1	1
i) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	1	1
ख) सरकारी प्रतिभूतियां	0	0	0
ग) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
5. अन्य आस्तियां	0	0	0
कुल	0	50	237

विवरण 4: सरकारी क्षेत्र			
(₹ बिलियन)			
स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. सरकारी प्रतिभूतियां (खजाना बिलों के अलावा)	1877	3370	5223
(क) बैंकिंग	1096	2663	3591
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	524	1041	1427
(ग) घरेलू	1	3	4
(घ) अन्य	255	-336	201
2. खजाना बिल	255	1063	-75
(क) बैंकिंग	181	780	-41
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	74	283	-34
(ग) शेष विश्व	0	0	0
3. बांड एवं डिबेंचर	76	102	114
(क) बैंकिंग	61	95	73
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	26	41	31
(ग) घरेलू	0	0	6
(घ) अन्य	-10	-35	4
4. प्रदत्त पूंजी	-5	-44	138
(क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1	0	13
(ख) शेष विश्व	-3	-23	88
(ग) अन्य	-3	-22	37
5. सरकारी बांड	92	-238	-88
(क) राहत बांड	92	-238	-88
(ख) विशेष वाहक बांड	0	0	0
(ग) पूंजी निवेश बांड	0	0	0
(घ) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास बांड	0	0	0
(ङ) राष्ट्रीय जमा योजना	0	0	0
(च) सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए जमा योजना	0	0	0
6. बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस)	1076	-818	-860
7. लिए गए उधार	608	1927	867
(क) बैंकिंग	122	210	246
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	277	497	402
(ग) शेष विश्व	164	291	132
(घ) अन्य	44	930	87
8. गैर सरकारी भविष्य तथा पेंशन निधियों की जमाराशियां	0	0	0
9. वित्तीय निगमों द्वारा जमाराशियां	0	0	0
10. जमाराशियां	161	126	62
(क) घरेलू	0	0	0
(ख) अन्य	161	126	62
11. अल्प बचत	-136	-144	395
(क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
(ख) घरेलू	-136	-144	395

विवरण 4: सरकारी क्षेत्र

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
12. भविष्य निधि	273	258	603
13. बीमा निधि	15	17	21
14. उपभोक्ता सुरक्षा जमाराशियां	13	15	1
(क) घरेलू	13	15	1
(ख) अन्य	0	0	0
15. एक रुपये के नोट और सिक्के	0	0	0
(क) बैंकिंग	0	0	0
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
(ग) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
(घ) घरेलू	0	0	0
16. विविध देनदार	284	282	330
17. अन्य देयताएं	246	939	-58
(क) बैंकिंग	11	4	46
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	215	929	-148
(ग) अन्य	19	5	44
कुल	4835	6856	6672

विवरण 4: सरकारी क्षेत्र (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. नकदी और बैंक शेष	1704	-1128	-762
1. मुद्रा	428	261	113
(क) उपलब्ध नकदी	428	261	113
(ख) रेलवे के पास नकदी	0	0	0
2. निम्नलिखित के पास के शेष	1275	-1389	-875
क) बैंकिंग	1275	-1389	-875
i) भा.रि.बैंक	1249	-1378	-875
ii) वाणिज्य बैंक	27	-11	0
2. ऋण और अग्रिम	-492	523	526
(क) बैंकिंग	2	2	3
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
(ग) निजी कंपनी कारोबार	1	2	2
(घ) शेष विश्व	-2	7	1
(ङ) घरेलू	-2	-2	-1
(च) अन्य	-491	515	522
3. निवेश	352	877	-179
(क) बैंकिंग	3	38	61
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-15	-6	0
(ग) निजी कंपनी कारोबार	1	0	1
(घ) शेष विश्व	-12	377	37
(ङ) अन्य	375	468	-277
4. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों को अभिदान	27	27	59
5. देशी सोने और चांदी की निवल खरीद	0	0	0
6. जमाराशियां	1	1	1
क) बैंकिंग - भा.रि.बैंक	1	1	1
7. विविध देनदार	723	111	250
8. अन्य आस्तियां	86	80	-37
(क) बैंकिंग	-3	7	0
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
(ग) अन्य	88	73	-37
कुल	2400	492	-142

विवरण 4.1: केंद्र सरकार

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. सरकारी प्रतिभूतियां (खजाना बिलों के अलावा)	1308	2320	4098
क) बैंकिंग	868	2232	3115
i) भा.रि.बैंक	116	446	848
ii) वाणिज्य बैंक	752	1786	2266
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	353	715	1068
(i) बीमा	285	437	752
(ii) भविष्य निधियां	43	141	195
(iii) वित्तीय संस्थाएं	24	138	121
ग) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
घ) सरकार (राज्य)	0	0	0
ङ) शेष विश्व	-11	-16	14
च) घरेलू	1	1	2
छ) अन्य	98	-612	-101
2. कुल खजाना बिल (क+ख+ग)	275	996	-98
अ. खजाना बिल	275	996	-98
(क) बैंकिंग	181	780	-41
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	74	283	-34
(ग) सरकार	20	-67	-22
(घ) शेष विश्व	0	0	0
आ. राज्य सरकारों की ओर से भा.रि.बैंक को जारी खजाना बिल	0	0	0
इ. भा.रि.बैंक को जारी विशेष प्रतिभूतियां	0	0	0
3. शेष विश्व से उधार	93	110	110
4. विशेष प्रतिभूतियां	-90	-45	-100
5. बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस)	1076	-818	-860
6. सरकारी बांड	92	-238	-88
(i) राहत बांड	92	-238	-88
(ii) विशेष वाहक बांड	0	0	0
(iii) पूंजी निवेश बांड	0	0	0
(iv) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास बांड	0	0	0
(v) राष्ट्रीय जमा योजना	0	0	0
(vi) सेवा निवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए जमा योजना	0	0	0
7. अल्प बचत	-136	-144	395
(क) अन्य वित्तीय संस्थाएं - वित्तीय निगम और भविष्य निधि	0	0	0
(ख) घरेलू	-136	-144	395
8. भविष्य निधि	165	130	408
केन्द्र सरकारी की भविष्य निधियां	39	80	161
सार्वजनिक भविष्य निधियां	126	49	248
9. डाक बीमा और जीवन वार्षिकी निधि	0	0	0
10. केन्द्रीय बीमा और परिवार पेंशन निधि	0	0	0
11. अन्य खाते	262	913	-66
12. आरक्षित निधियां एवं जमाराशियां	-43	16	-92
13. सरकारी वाणिज्यिक उपक्रमों की जमाराशियां	0	0	0
कुल	3002	3241	3708

विवरण 4.1: केंद्र सरकार (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
नकदी और बैंक शेष	1348	-1382	-783
1. रेलवे के पास नकदी	0	0	0
(i) भा.रि. बैंक नोट	0	0	0
(ii) एक रुपए नोट और सिक्के	0	0	0
2. भा.रि. बैंक के पास शेष	1348	-1382	-783
जिसमें से: एमएसएस के तहत उपलब्ध नकदी	1076	-818	-860
2. ऋण और अग्रिम	-34	26	-3
(क) अन्य वित्तीय संस्थाएं-वित्तीय निगम	0	0	0
(ख) डीसीबी- निजी गैर वित्तीय कंपनियां	0	0	0
(ग) सरकार	-31	22	-2
(i) राज्य सरकार	-16	-13	-8
(ii) स्थानीय प्राधिकरण	0	0	0
(iii) वाणिज्यिक उपक्रम	-15	34	6
(घ) शेष विश्व	-2	7	1
(ङ) घरेलू	-2	-2	-2
3. निवेश	585	583	462
क) बैंकिंग - वाणिज्य बैंक	-29	33	33
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं-वित्तीय निगम	0	0	0
ग) शेष विश्व	-12	377	37
घ) राज्य सरकार (एनएसएसएफ)	68	12	242
घ) सरकार वाणिज्यिक उपक्रम	558	161	151
4. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों को अभिदान	27	27	59
5. देशी सोने और चांदी की निवल खरीद	0	0	0
6. अं.मु.को. के पास एसडीआर शेष	0	1	-1
7. भारत पूर्ति मिशन के पास नकदी	0	0	0
8. भा.रि. बैंक के पास उंचत खाता	-1	-1	-3
9. रिज़र्व बैंक के पास विप्रेषण	1	1	1
कुल	1926	-745	-268

विवरण 4.2 : राज्य सरकार

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. बाजार ऋण	557	1034	1139
(क) बैंकिंग	227	431	477
(i) वाणिज्य बैंक	227	431	477
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	171	325	360
(i) बीमा कंपनियां	115	218	241
(ii) वित्तीय निगम	56	107	118
(ग) घरेलू	1	1	1
(घ) अन्य (एनएसएसएफ सहित)	158	276	301
2. पावर बांड	-29	-15	-29
3. एनएसएसएफ	56	10	231
4. लिए गए उधार	6	51	56
(क) बैंकिंग	1	-2	11
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	20	65	46
(i) बीमा	-7	-7	-12
(ii) वित्तीय निगम	27	73	58
(ग) सरकार	-14	-12	-3
(i) केंद्र सरकार	-16	-12	-7
(ii) वाणिज्यिक उपक्रम	1	1	5
(घ) अन्य	-1	0	2
5. राज्य भविष्य निधि	109	128	195
6. राज्य बीमा निधि	15	17	21
7. जमाराशियां, इत्यादि	155	118	62
कुल	868	1344	1674

विवरण 4.2 : राज्य सरकार (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
नकदी और बैंक शेष	-99	4	-92
1. उपलब्ध नकदी	0	0	0
i) भा.रि.बैंक नोट	0	0	0
ii) एक रुपए नोट और सिक्के	0	0	0
2. भा.रि.बैंक के पास शेष	-99	4	-92
3. ऋण और अग्रिम	63	92	55
क) बैंकिंग - सहकारी बैंक	2	2	3
(ख) वित्तीय निगम	0	0	0
(ग) निजी कंपनी कारोबार	1	2	2
(i) सरकारी ऋणोत्तर समितियां	1	2	2
(घ) सरकार	24	4	49
(i) आवास बोर्ड	31	27	6
(ii) स्थानीय प्राधिकरण	9	10	12
(iii) बिजली बोर्ड	-12	-21	43
(iv) अन्य वाणिज्यिक उपक्रम	-5	-12	-12
(ङ) घरेलू	0	0	1
(च) अन्य	37	83	0
4. निवेश	299	242	164
(क) बैंकिंग	11	8	9
(i) वाणिज्य बैंक	1	1	1
(ii) सहकारी बैंक और ऋण समितियां	10	7	8
(ख) वित्तीय निगम	4	7	7
(ग) निजी कंपनी कारोबार	1	0	1
(i) कंपनियां	1	0	1
(ii) ऋणोत्तर समितियां	0	0	0
(घ) सरकार	284	227	147
(i) केंद्र सरकार और खजाना बिल	267	177	-50
(ii) वाणिज्यिक उपक्रम	18	49	197
(ङ) अन्य	0	0	0
कुल	263	337	127

विवरण 4.3 : स्थानीय प्राधिकरण #

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. लिए गए उधार	0	-6	-1
क) सरकार	0	-1	0
i) केंद्र सरकार	0	-1	0
ii) राज्य सरकार	0	0	0
ख) अन्य	0	-5	-1
2. डिबेंचर	0	0	0
क) बैंकिंग - वाणिज्य बैंक	0	0	0
3. अन्य देयताएं	23	11	15
(क) विविध देनदार	0	4	0
(ख) जमाराशियां	1	2	3
(ग) अन्य	22	5	13
कुल	24	5	14

पत्तन न्यासों से संबंधित

विवरण 4.3 : स्थानीय प्राधिकरण # (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
नकदी और बैंक शेष (भविष्य निधि के अलावा)	11	4	6
1. उपलब्ध नकदी	0	0	0
i) भा.रि.बैंक नोट	0	0	0
ii) एक रुपए नोट और सिक्के	0	0	0
2. बैंक शेष	11	4	6
3. निवेश (भविष्य निधि के अलावा)	17	3	2
क) बैंकिंग	14	-6	2
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं-वित्तीय निगम	-3	-6	0
ग) सरकार	4	-5	0
i) केंद्र सरकार	-1	1	0
ii) राज्य सरकार	-1	-6	0
iii) स्थानीय प्राधिकरण	6	1	0
घ) अन्य	2	20	0
4. अन्य आस्तियां	20	15	7
(क) विविध देनदार	17	3	3
(ख) अग्रिम भुगतान और नामे शेष	3	4	4
(ग) उपचित्त ब्याज	3	0	-1
(घ) जमाराशियां	-3	7	0
कुल	48	21	15

विवरण 4.4: सरकारी गैर विभागीय गैर वित्तीय उपक्रम

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. प्रदत्त पूंजी	88	106	131
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1	0	13
ख) सरकार	93	150	-8
i) केंद्र सरकार	66	-106	237
ii) राज्य सरकार	27	256	-245
घ) शेष विश्व	-3	-23	88
ङ) अन्य	-3	-22	37
2. बांड एवं डिबेंचर	91	131	114
(क) वाणिज्य बैंक	61	95	73
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	26	41	31
(ग) घरेलू	0	0	6
(घ) अन्य (अवशिष्ट)	4	-5	4
3. लिए गए उधार	301	1631	674
(क) बैंकिंग	121	212	235
(i) वाणिज्य बैंक	111	218	233
(ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	10	-7	3
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	258	431	356
(ग) सरकार	-193	-128	-24
(घ) शेष विश्व	70	181	22
(ङ) अन्य	46	936	86
4. उपभोक्ता सुरक्षा जमाराशियां	13	15	1
(क) घरेलू	13	15	1
(ख) अन्य	0	0	0
5. जमाराशियां	6	9	0
(क) घरेलू	0	0	0
(ख) अन्य	6	9	0
6. विविध देनदार	284	278	330
7. अन्य देयताएं	-11	52	86
(क) बैंकिंग	10	3	43
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-4	-1	11
(ग) सरकार	-14	50	1
(घ) अन्य	-3	1	32
कुल	772	2222	1335

विवरण 4.4: सरकारी गैर विभागीय गैर वित्तीय उपक्रम (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	428	261	113
(क) भा.रि.बैंक नोट	428	261	113
(ख) एक रुपए नोट और सिक्के	0	0	0
2. निम्नलिखित के पास के शेष	17	-15	-6
क) बैंकिंग - वाणिज्य बैंक	16	-15	-6
ख) सरकार - खजाना	1	0	1
3. सरकार के पास विशेष जमा	0	2	2
4. निवेश	358	454	-260
(क) बैंकिंग	7	4	18
(ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	-12	0	0
(ग) निजी कंपनी कारोबार	0	0	0
(घ) सरकारी प्रतिभूतियां	-11	1	-1
(ङ) अन्य	374	448	-278
5. ऋण और अग्रिम	-528	431	522
(क) सरकार	0	0	0
(ख) घरेलू	0	0	0
(ग) अन्य	-528	431	522
6. विविध देनदार	706	108	247
7. अन्य आस्तियां	52	70	-40
(क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
(ख) सरकार	-30	2	1
(ग) अन्य	82	68	-41
कुल	1034	1311	577

विवरण 5: शेष विश्व क्षेत्र

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
अ. देयताओं में वृद्धि	5867	3305	3402
1. ऋण	67	55	91
क) भारतीय रिज़र्व बैंक	0	0	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	65	36	71
ग) सरकार	1	19	20
2. निवेश	4556	971	1407
क) भारतीय रिज़र्व बैंक	3697	0	642
ख) निजी कंपनी कारोबार	860	971	765
3. जमाराशियां	507	1306	726
क) बैंक	507	1306	726
ख) अन्य	0	0	0
4. विविध	737	973	1178
(क) सरकार	0	0	0
(ख) निजी	737	973	1178
(i) अन्य	737	973	1178
आ. आस्तियों में कमी	11130	10729	11200
1. ऋण	1602	2451	2829
क) भारतीय रिज़र्व बैंक	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ग) निजी	1517	2341	2706
(i) कंपनी कारोबार	1517	2341	2706
घ) सरकार	84	110	123
2. निवेश	8262	6433	6269
क) निजी कंपनी कारोबार	8262	6433	6269
ख) सरकार	0	0	0
3. जमाराशियां	1261	1840	2097
क) बैंकिंग	1261	1840	2097
i) भारतीय रिज़र्व बैंक	17	27	22
ii) वाणिज्य बैंक	1244	1813	2075
4. विविध	5	5	5
(क) सरकार	5	5	5
(ख) निजी	0	0	0
(i) कंपनी कारोबार	0	0	0
(ii) अन्य	0	0	0
कुल	16997	14034	14602

विवरण 5: शेष विश्व क्षेत्र (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
अ. देयताओं में कमी	2129	3033	1457
1. ऋण	65	95	48
क) निजी कंपनी कारोबार	64	92	46
ख) सरकार	1	3	2
2. निवेश	110	1029	48
क) भारतीय रिजर्व बैंक	0	971	0
ख) निजी कंपनी कारोबार	110	58	48
3. जमाराशियां	784	1148	815
क) भारतीय रिजर्व बैंक	0	0	0
ख) बैंक	0	0	0
ग) अन्य	784	1148	815
4. विविध	1171	761	546
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ख) निजी	0	0	0
i) कंपनी कारोबार	0	0	0
ग) अन्य	1171	761	546
आ. आस्तियों में वृद्धि	15450	12262	14943
1. ऋण	3238	2758	3451
क) बैंकिंग - भारतीय रिजर्व बैंक	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	0
ग) निजी	3069	2517	3175
(i) कंपनी कारोबार	3069	2517	3175
घ) सरकार	169	241	276
2. निवेश	10756	7697	9386
क) निजी कंपनी कारोबार	10756	7697	9386
ख) सरकार	0	0	0
3. जमाराशियां	1456	1807	2106
क) बैंकिंग	1456	1807	2106
i) भारतीय रिजर्व बैंक	3	6	28
ii) वाणिज्य बैंक	1453	1801	2078
4. विविध	0	0	0
क) निजी	0	0	0
(i) कंपनी कारोबार	0	0	0
ख) सरकार	0	0	0
ग) जिनकी पहचान नहीं की गई	0	0	0
कुल (क+ख)	17579	15295	16400

विवरण 6: घरेलू क्षेत्र

(₹ बिलियन)

स्रोत	2007-08	2008-09	2009-10
1. लिए गए उधार	1882	1636	2034
क) बैंकिंग	1795	1547	1944
i) भारतीय रिजर्व बैंक	0.04	0	1
ii) वाणिज्य बैंक	1743	1495	1891
iii) सहकारी बैंक और ऋण समितियां	52	52	53
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	87	88	89
i) वित्तीय निगम	41	42	43
ii) बीमा	18	18	18
iii) गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	28	28	28
ग) निजी कंपनी कारोबार	3	3	3
i) ऋणेतार समितियां	3	3	3
घ) सरकार	-2	-2	-1
i) केंद्र सरकार	-2	-2	-2
ii) राज्य सरकार	0	0	1
iii) बिजली बोर्ड	0	0	0
कुल	1882	1636	2034

विवरण 6: घरेलू क्षेत्र (समाप्त)

(₹ बिलियन)

उपयोग	2007-08	2008-09	2009-10
1. उपलब्ध नकदी	813	922	969
क) भा.रि. बैंक के नोट	805	913	956
ख) एक रुपये के नोट और सिक्के	8	9	14
2. जमाराशियां	3903	4308	4167
क) बैंकिंग	3890	4178	3981
i) वाणिज्य बैंक	3626	3837	3620
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	264	342	361
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	6	75	25
i) वित्तीय निगम	6	75	25
ग) निजी कंपनी कारोबार	-4	39	144
i) गैर वित्तीय कंपनियां	-4	39	143
ii) ऋणोत्तर समितियां	0	0	0
घ) सरकार	11	15	16
i) बिजली बोर्ड	11	15	16
3. बीमा निधियां	1703	1713	2598
क) अन्य वित्तीय संस्थाएं	1663	1663	2536
i) बीमा जीवन निधि	1663	1663	2536
1) भारतीय जीवन बीमा निगम	1258	1363	2080
2) अन्य जीवन बीमाकर्ता	405	299	457
ख) सरकार	40	51	62
i) केंद्रीय बीमा निधि	-2	2	2
ii) राज्य बीमा निधि	15	17	21
iii) डाक बीमा निधि	27	31	39
4. भविष्य और पेंशन निधि	699	726	1298
क) सरकार	278	271	622
ख) गैर सरकारी	421	456	676
4.1 भविष्य निधियां	604	610	1175
क) सरकार	273	258	603
ख) गैर सरकारी	330	352	572
4.2 भविष्य निधि	96	116	123
क) सरकार	5	13	19
ख) गैर सरकारी	91	103	104
5. निवेश	694	-434	883
क) बैंकिंग	8	2	10
i) वाणिज्य बैंक	7	2	9
ii) सहकारी बैंक एवं ऋण समितियां	0	0	0
ख) अन्य वित्तीय संस्थाएं	639	-98	368
i) वित्तीय कंपनियां	74	34	58
ii) यूटीआई के यूनिट	-3	-27	-20
iii) अन्य म्यूचुअल फंड	568	-105	330
ग) निजी कंपनी कारोबार	90	41	71
i) गैर वित्तीय कंपनियां	89	39	69
1) शेयर	86	39	67
2) डिबेंचर	3	0	2
ii) ऋणोत्तर समितियां	2	2	2
घ) सरकार	-42	-379	435
i) केन्द्र सरकार प्रतिभूतियां	1	1	2
ii) राज्य सरकार प्रतिभूतियां	1	1	1
iii) अल्प बचत	-136	-144	395
iv) राहत बांड	92	-238	-3
v) विशेष वाहक बांड	0	0	0
vi) पूंजी निवेश बांड	0	0	0
vii) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास बांड	0	0	0
viii) राष्ट्रीय जमा योजना	0	0	0
ix) सार्वजनिक क्षेत्र के बांड	0	0	6
x) सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए जमा योजना	0	0	32
6. व्यापार कर्ज (निवल)	-2	-2	-18
क) वित्तीय कंपनियां	-8	5	-2
ख) निजी गैर वित्तीय कंपनियां	6	-7	-16
कुल	7810	7233	9898

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2007-08

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	0	0	889	479	2668	856	1471	630
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	894	24	0	0	1678	1036	1117	-15
	0	0	0	0	0	0	0	0
3. निजी कंपनी कारोबार	246	2587	668	270	0	0	0	2
	0	0	0	0	0	0	0	0
4. सरकार	1815	2346	12	366	38	487	0	0
	0	0	0	0	0	0	0	0
5. शेष विश्व	696	3565	207	35	4045	750	161	14
	0	0	0	0	0	0	0	0
6. घरेलू	4701	1795	2777	87	92	3	259	-2
	0	0	0	0	0	0	0	0
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	545	1466	388	1330	2325	3478	1826	1772
कुल	8897	11783	4942	2566	10847	6609	4835	2400
(स्रोत - उपयोग)\$		-2886		2375		4237		2435

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2007-08 (जारी)

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	शेष विश्व		घरेलू		कुल	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	4204	195	1795	4702	11028	6862
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	87	2721	3777	3766
	0	0	0	0		
3. निजी कंपनी कारोबार	751	4045	3	92	1668	6996
	0	0	0	0		
4. सरकार	0	80	-2	295	1863	3574
	0	0	0	0		
5. शेष विश्व	0	0	0	0	5109	4364
	0	0	0	0		
6. घरेलू	0	0	0	0	7829	1882
	0	0	0	0		
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	-1217	0	0	0	3867	8045
कुल	3738	4320	1882	7810	35141	35489
(स्रोत - उपयोग)\$		-582		-5928		-348

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2008-09 (जारी)

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	0	0	216	230	2352	1661	3752	-262
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	-64	468	0	0	30	-362	2791	-6
	0	0	0	0	0	0	0	0
3. निजी कंपनी कारोबार	1663	2287	-58	-79	0	0	0	2
	0	0	0	0	0	0	0	0
4. सरकार	-34	2947	108	1380	-61	257	0	0
	0	0	0	0	0	0	0	0
5. शेष विश्व	-83	511	60	59	1440	913	268	411
	0	0	0	0	0	0	0	0
6. घरेलू	5095	1548	2129	119	73	3	-89	-2
	0	0	0	0	0	0	0	0
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	1975	66	180	-198	1162	-350	134	349
कुल	8552	7827	2635	1511	4996	2123	6856	492
(स्रोत - उपयोग)\$		725		1124		2874		6364

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2008-09 (जारी)

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	शेष विश्व		घरेलू		कुल	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	335	-33	1547	5093	8203	6690
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	88	2100	2845	2201
	0	0	0	0		
3. निजी कंपनी कारोबार	857	1440	3	73	2464	3722
	0	0	0	0		
4. सरकार	16	126	-2	-33	27	4676
	0	0	0	0		
5. शेष विश्व	0	0	0	0	1685	1894
	0	0	0	0		
6. घरेलू	0	0	0	0	7207	1667
	0	0	0	0		
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	-936	0	0	0	2515	-132
कुल	272	1533	1636	7233	24947	20718
(स्रोत - उपयोग)\$		-1261		-5597		4228

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2009-10 (जारी)

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	0	0	747	962	2410	1224	3914	163
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	1189	-116	0	0	1947	1579	1691	0
3. निजी कंपनी कारोबार	1194	2309	999	890	0	0	0	3
4. सरकार	87	3431	227	1579	26	282	0	0
5. शेष विश्व	-107	-776	300	1	3586	717	221	97
6. घरेलू	4949	1944	3633	108	198	3	942	-1
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	-825	-239	447	494	3139	2450	-96	-403
कुल	6487	6552	6353	4035	11306	6255	6672	-142
(स्रोत - उपयोग)\$		-66		2318		5051		6813

विवरण 7: वित्तीय प्रवाह - क्षेत्रवार 2009-10 (समाप्त)

(₹ बिलियन)

क्षेत्र / अन्य क्षेत्रों के साथ वित्तीय लेनदेन	शेष विश्व		घरेलू		कुल	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. बैंकिंग	1368	9	1944	4947	10384	7306
2. अन्य वित्तीय संस्थाएं	0	0	89	3604	4916	5067
3. निजी कंपनी कारोबार	742	3586	3	198	2938	6986
4. सरकार	18	148	-1	1149	356	6589
5. शेष विश्व	0	0	0	0	4000	39
6. घरेलू	0	0	0	0	9721	2053
7. अन्य अवर्गीकृत क्षेत्र	-183	0	0	0	2483	2302
कुल	1945	3743	2034	9898	34797	30341
(स्रोत - उपयोग)\$		-1798		-7864		4456

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2007-08

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी कारोबार		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. मुद्रा और जमाराशियां	7987	2	320	344	-4	1307	173	1705
मुद्रा	871	1	0	78	0	27	0	1704
जमाराशियां	7116	0	320	267	-4	1281	0	1
2. निवेश	143	5794	1928	1527	4322	2317	3371	352
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	1855	0	198	0	35	3207	0
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	47	0	1	0	0	164	0
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	213	0	205	4322	0	0	1
घ. बैंक प्रतिभूतियां	143	0	0	72	0	0	0	3
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	29	1928	0	0	1036	0	-15
जिसमें से:	0	0	0	0	0	0	0	0
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनियों सहित)	0	0	1628	0	0	0	0	0
च. विदेशी प्रतिभूतियां	0	3552	0	0	0	750	0	-12
छ. अन्य	0	97	0	1051	0	496	0	375
3. ऋण और अग्रिम	301	4630	551	666	4928	2986	608	-492
4. अल्प बचत	0	0	0	0	0	0	-136	0
5. जीवन निधि	0	0	1663	0	0	0	15	0
6. भविष्य निधि	0	0	421	0	0	0	273	0
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	-8	0	6	0	284	723
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	13	13	0	0	0	0	0	27
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मदें	452	1344	67	28	1596	-1	246	86
कुल	8897	11783	4942	2566	10847	6609	4835	2400

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2007-08 (जारी)

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	शेष विश्व		घरेलू		कुल		विसंगति
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	(स्रोत -उपयोग)
1. मुद्रा और जमाराशियां	-276	195	0	4716	8201	8269	-68
मुद्रा	0	0	0	813	871	2622	-1751
जमाराशियां	-276	195	0	3903	7156	5647	1509
2. निवेश	4447	2494	0	830	14211	13315	896
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	0	0	1	3207	2090	1117
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	0	0	92	164	141	23
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	2494	0	90	4322	3003	1318
घ. बैंक प्रतिभूतियां	0	0	0	8	143	82	61
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	0	0	639	1928	1689	239
जिसमें से:	0	0	0	0			
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनियों सहित)	0	0	0	565	1628	565	1064
च. विदेशी प्रतिभूतियां	4447	0	0	0	4447	4290	157
छ. अन्य	0	0	0	0	0	2020	-2020
3. ऋण और अग्रिम	1	1636	1882	0	8271	9426	-1156
4. अल्प बचत	0	0	0	-136	-136	-136	0
5. जीवन निधि	0	0	0	1703	1678	1703	-25
6. भविष्य निधि	0	0	0	699	694	699	-5
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	0	-2	282	721	-438
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	-434	-5	0	0	-421	36	-456
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मर्दे	0	0	0	0	2360	1457	903
कुल	3738	4320	1882	7810	35141	35489	-348

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2008-09 (जारी)

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी कारोबार		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. मुद्रा और जमाराशियां	6623	2	262	62	39	1865	141	-1127
मुद्रा	975	0	0	-77	0	12	0	-1128
जमाराशियां	5648	2	262	139	0	1854	0	1
2. निवेश	58	3659	-259	1104	2017	515	3435	877
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	2430	0	891	0	52	3616	0
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	53	0	191	0	0	-181	0
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	488	0	117	2017	0	0	0
घ. बैंक प्रतिभूतियां	58	0	0	180	0	1	0	38
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	51	-259	0	0	-362	0	-6
जिसमें से:	0	0	0	0	0	0	0	0
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनितों सहित)	0	0	-704	0	0	0	0	0
च. विदेशी प्रतिभूतियां	0	499	0	1	0	913	0	377
छ. अन्य	0	138	0	-277	0	-90	0	468
3. ऋण और अग्रिम	-88	4227	412	297	2205	-396	1927	523
4. अल्प बचत	0	0	0	0	0	0	-144	0
5. जीवन निधि	0	0	1663	0	0	0	17	0
6. भविष्य निधि	0	0	456	0	0	0	258	0
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	5	0	-7	0	282	111
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	12	12	0	0	0	0	0	27
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मदें	1946	-73	97	47	742	138	939	80
कुल	8552	7827	2635	1511	4996	2123	6856	492

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2008-09 (समाप्त)

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	शेष विश्व		घरेलू		कुल		विसंगति
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	(स्रोत -उपयोग)
1. मुद्रा और जमाराशियां	158	-33	0	5229	7223	5999	1224
मुद्रा	0	0	0	922	975	-272	1247
जमाराशियां	158	-33	0	4308	6068	6271	-203
2. निवेश	-58	1264	0	-291	5194	7129	-1935
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	0	0	3	3616	3376	239
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	0	0	-238	-181	6	-186
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	1264	0	41	2017	1910	107
घ. बैंक प्रतिभूतियां	0	0	0	2	58	222	-164
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	0	0	-98	-259	-415	156
जिसमें से:	0	0	0	0			
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनियों सहित)	0	0	0	-132	-704	-132	-572
च. विदेशी प्रतिभूतियां	-58	0	0	0	-58	1790	-1848
छ. अन्य	0	0	0	0	0	240	-240
3. ऋण और अग्रिम	-40	307	1636	0	6052	4959	1093
4. अल्प बचत	0	0	0	-144	-144	-144	0
5. जीवन निधि	0	0	0	1713	1680	1713	-33
6. भविष्य निधि	0	0	0	726	713	726	-13
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	0	-2	280	109	171
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	212	-5	0	0	224	34	190
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मर्दे	0	0	0	0	3724	192	3532
कुल	272	1533	1636	7233	24947	20718	4228

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2009-10 (जारी)

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	बैंकिंग		अन्य वित्तीय संस्थाएं		निजी कंपनी कारोबार		सरकार	
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग
1. मुद्रा और जमाराशियां	6663	4	191	219	144	1525	62	-761
मुद्रा	1020	2	0	27	0	42	0	-762
जमाराशियां	5643	2	191	191	144	1482	0	1
2. निवेश	178	2430	2115	2928	5065	2922	4452	-179
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	2903	0	767	0	-19	4287	0
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	15	0	532	0	0	165	0
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	241	0	581	5065	0	0	1
घ. बैंक प्रतिभूतियां	178	0	0	604	0	1	0	61
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	-48	2115	0	0	1579	0	0
जिसमें से:	0	0	0	0	0	0	0	0
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनितों सहित)	0	0	1430	0	0	0	0	0
च. विदेशी प्रतिभूतियां	0	-736	0	0	0	717	0	37
छ. अन्य	0	56	0	444	0	644	0	-277
3. ऋण और अग्रिम	605	4505	788	814	3679	1923	867	526
4. अल्प बचत	0	0	0	0	0	0	395	0
5. जीवन निधि	0	0	2536	0	0	0	21	0
6. भविष्य निधि	0	0	676	0	0	0	603	0
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	-2	0	-16	0	330	250
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	-40	-40	0	0	0	0	0	59
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मदें	-919	-348	49	74	2435	-115	-58	-37
कुल	6487	6552	6353	4035	11306	6255	6672	-142

विवरण 8: वित्तीय प्रवाह - लिखतवार 2009-10 (समाप्त)

(₹ बिलियन)

लिखत / क्षेत्र	शेष विश्व		घरेलू		कुल		विसंगतियां
	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	स्रोत	उपयोग	(स्रोत -उपयोग)
1. मुद्रा और जमाराशियां	-89	9	0	5136	6971	6131	840
मुद्रा	0	0	0	969	1020	279	741
जमाराशियां	-89	0	0	4167	5888	5843	45
2. निवेश	1359	3117	0	488	13169	11706	1462
क. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	0	0	0	4	4287	3654	634
ख. अन्य सरकारी प्रतिभूतियां	0	0	0	36	165	583	-418
ग. कारपोरेट प्रतिभूतियां	0	3117	0	71	5065	4010	1055
घ. बैंक प्रतिभूतियां	0	0	0	10	178	676	-498
ङ. अन्य वित्तीय संस्थाओं की प्रतिभूतियां	0	0	0	368	2115	1900	215
जिसमें से:	0	0	0	0			
(i) म्यूच्युअल फंड (यूटीआई के यूनितों सहित)	0	0	0	310	1430	310	1119
च. विदेशी प्रतिभूतियां	1359	0	0	0	1359	17	1342
छ. अन्य	0	0	0	0	0	867	-867
3. ऋण और अग्रिम	43	622	2034	0	8015	8391	-375
4. अल्प बचत	0	0	0	395	395	395	0
5. जीवन निधि	0	0	0	2598	2557	2598	-41
6. भविष्य निधि	0	0	0	1298	1279	1298	-19
7. व्यापार कर्ज /क्रेडिट	0	0	0	-18	312	232	79
8. अन्यत्र अवर्गीकृत विदेशी दावे	632	-5	0	0	592	15	578
9. अन्यत्र अवर्गीकृत अन्य मदें	0	0	0	0	1507	-426	1932
कुल	1945	3743	2034	9898	34797	30341	4455